www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 टैरिफ के मामले में क्या भारत भी ट्रंप को चीन-ब्राजील जैसा जवाब दे सकता है?

कमला हैरिस ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया 06

वर्ष :17 | अंक :122 | प्रयागराज ,शनिवार 02 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने अमेरिकी नागरिकों को ठग रहे फर्जी कॉल सेंटर के खिलाफ छापे मारे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उस फर्जी कॉल सेंटर के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत दिल्ली में छापे मारे, जिस पर नकली सॉफ्टवेयर की बिक्री का झांसा देकर अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 10 बजे खानपुर में तीन परिसरों पर छापे मारे गए और तलाशी अभी जारी है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के अनुसार की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कुछ लोग एक कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे, जो माइक्रोसॉफ्ट विंडोज जैसे असली सॉफ्टवेयर के नाम पर नकली सॉफ्टवेयर बेचकर अमेरिका जैसे देशों में नागरिकों को ठग रहे थे। जांच एजेंसी को संदेह है कि पिछले कुछ वर्षों (2016-17 से 2024-25) के दौरान विदेशी धन प्रेषण के रूप में 100 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर के विभिन्न हिस्सों से सुरक्षा बलों ने चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगड्रेनखोम्बा) का स्वयंभू सेना प्रमुख मोइरंगथेम बिरमानी मेइती भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उसे बृहस्पतिवार को बिष्णुपुर जिले के फुबाला पट्टन से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को थौबल जिले के सलुंगफाम बाजार क्षेत्र से कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान केइशम विल्सन सिंह (18) और थोकचोम सनाथोई मेइती (22) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इन पर छोटे व्यवसायों से वसूली करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के दो सदस्यों के पास से 9एमएम की एक पिस्तौल, एक मैगजीन और 9एमएम के तीन कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इंफाल पूर्व जिले के खुरई चैरेनथोंग से बृहस्पतिवार को पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान तेलेम नाओबा सिंह (29) के रूप में हुई है। इस बीच, चुराचांदपुर जिले के गेलजंग के पास एक अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक मैगजीन सहित एक एके राइफल और दो हथियार बरामद किए।

चुनाव अधिकारी वोटों की चोरी कर रहे हम छोड़ेंगे नहीं, चाहे वे रिटायर हो जाएं :राहुल गांधी

चुनाव आयोग बोला- अफसर ऐसी धमकियों पर ध्यान न दें

साधा निशाना

राहुल ने कहा था कि हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी किए जा रहे हैं, ये सच्चाई है! महाराष्ट्र में कैसे मैच फिक्सिंग हुई, हमने सबको दिखाया। कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की जांच की - वहां बड़े पैमाने पर वोट चोरी मिली, जल्द जनता के सामने लाएंगे।

बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर राहुल सहित पूरा विपक्ष हमलावर

बिहार वोटर वेरिफिकेशन को लेकर राहुल सहित पूरा विपक्ष इलेक्शन कमीशन की आलोचना कर रहा है। संसद के बाहर और अंदर विपक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहा है। इस बीच बिहार में चुनाव आयोग की ओर से आज यानी शुक्रवार को वोटर लिस्ट का नया ड्राफ्ट पॉलिटिकल पार्टी को जारी किया गया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एसआईआर अभ्यास को लेकर फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास स्पष्ट सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चुनाव आयोग में जो भी इस अभ्यास में शामिल है, ऊपर से नीचे तक, हम आपको नहीं छोड़ेंगे। आप भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं और यह देशद्रोह से कम नहीं है। आप जहां कहीं भी हों, भले ही आप सेवानिवृत्त हों, हम आपको ढूंढ लेंगे।इससे पहले राहुल ने कहा था कि हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी किए जा रहे हैं, ये सच्चाई है! महाराष्ट्र में कैसे मैच फिक्सिंग हुई।

ऊलजलूल आरोप और धमकियों पर उतर आये हैं राहुल गांधी, चुनाव आयोग ने किया पलटवार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह ऊलजलूल आरोप लगा रहे हैं और आयोग तथा उसके कर्मियों को डराने-धमकाने पर उतर आये हैं।

पुणे के दौंड में आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव: धार्मिक स्थल पर पथराव, गाड़ियों को आग लगाई

शिवाजी महाराज के अपमान के विरोध में प्रदर्शन हो रहा था

पुलिस का कहना है कि एक हफ़्ते पहले गाँव में एक घटना घटी थी, इसलिए यहाँ पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति थी। ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवकों ने एक ढाँचे में तोड़फोड़ करने की कोशिश की।

एजेंसी

पुणे की दौंड तहसील के यवत इलाके में सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव बढ़ गया है। सड़कों पर कई वाहनों में आग लगा दी गई है। युवाओं की भीड़ ने एक एक ढाँचे पर पथराव किया है। बढ़ते तनाव को देखते हुए यवत में साप्ताहिक बाजार बंद कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि एक हफ़्ते पहले गाँव में एक घटना घटी थी, इसलिए यहाँ पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति थी। ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवकों ने एक ढाँचे में तोड़फोड़ करने की कोशिश की।पुणे जिले के दौंड तालुका के यावत गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी पूरे मामले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि मुझे अभी मामले की जानकारी मिली है। इसके अनुसार, किसी बाहरी व्यक्ति ने आपत्तिजनक स्टेटस पोस्ट किया था, जिससे तनाव पैदा हुआ।

9 सितंबर को होगा उपराष्ट्रपति पद का चुनाव, 21 अगस्त तक नामांकन...नोटिफिकेशन जारी

एजेंसी

नई दिल्ली: निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है. जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, चुनाव के लिए जरूरत पड़ने पर वोटिंग 9 सितंबर को होगी और इसी दिन रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा. 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति के पद के लिए नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे. उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त निर्धारित की गई है. यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफा देने के कारण आवश्यक हो गया है. निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दिया बता दें कि, इससे पहले भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया था. भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं. निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है. जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दियाइसने कहा कि निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से निर्वाचन आयोग कार्यालय में स्थापित एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी

रेप केस में प्रज्वल रेवन्ना दोषी करार, दुष्कर्म के मामले में कोर्ट का फैसला

आज सुनाएगी सजा

बेंगलुरु स्थित जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने 18 जुलाई को बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सजा का ऐलान शनिवार, 2 अगस्त को होगा

एजेंसी

बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को यौन शोषण और बलात्कार के मामले में दोषी ठहराया। पूर्व जेडी(एस) नेता को कर्नाटक के हासन जिले के होलेनरसिपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज पहले बलात्कार मामले में दोषी ठहराया गया। बेंगलुरु स्थित जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने 18 जुलाई को बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आंध्र के कडप्पा में पेंशन वितरण समारोह में शामिल होने ऑटोरिक्शा से पहुंचे मुख्यमंत्री नायडू

एजेंसी

एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नायडू हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक ऑटोरिक्शा में सवार होकर आए। इसमें कहा गया है, मुख्यमंत्री नायडू अनोखे अंदाज में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू शुक्रवार को मासिक कल्याणकारी पेंशन वितरित करने के लिए यहां आयोजित एक जनसभा में ऑटोरिक्शा से पहुंचे। मुख्यमंत्री कडप्पा के गुडेम चेरुवु गांव में आयोजित एनटीआर भरोसा पेंशन वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। सरकारी वेबसाइट के अनुसार, यह योजना एक कल्याणकारी उपाय है जिसका उद्देश्य समाज के गरीब और कमजोर वर्गों - विशेष रूप से बुजुर्गों, अशक्तों, विधवाओं और दिव्यांग व्यक्तियों - की कठिनाइयों को कम करके उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करना है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नायडू हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक ऑटोरिक्शा में सवार होकर आए। इसमें कहा गया है, मुख्यमंत्री नायडू अनोखे अंदाज में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

तिपहिया वाहन के पीछे की सीट पर बैठकर यात्रा पूरी करने के बाद, नायडू कुछ देर के लिए चालक के बगल में बैठे और तस्वीरें खिंचवाईं। बाद में उन्होंने किराये का भुगतान नकद राशि देकर किया, ऑटोरिक्शा चालक को आशीर्वाद दिया और जनसभा के लिए रवाना हो गए।

सम्पादकीय

भारत पर दबाव की नीति से काम कर रहे ट्रंप, बयानों में देखने को मिले कई उतार-चढ़ाव

भारत ने हाल के वर्षों में अपने निर्यात के पक्ष को जिस तरह मजबूत किया है, उसमें इस तरह के अमेरिकी दबाव क्या व्यापार में सहयोग के बजाय एक प्रतिद्वंद्विता की बिसात बिछाने की कोशिश नहीं हैं? पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे। खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुमार्ना लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप का फैसला कोई अचानक नहींहालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं। निर्वाचन आयोग की ओर से तय किए गए नागरिकता प्रमाण पत्र को लेकर सबसे बड़ा विवादउल्लेखनीय है कि अमेरिका के वाताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी। क्या इस फैसले को व्यापार वार्ता में अपने हित में नीतिगत फैसले लेने के लिए दबाव बनाने की रणनीति नहीं माना जाएगा? ट्रंप की ताजा घोषणा से कुछ अन्य देशों के मुकाबले भारत पर कम असर पड़ेग एक दलील यह दी गई है

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव भी बढेगा। लेकिन आप अपने मधुर व्यवहार और वाणी से माहौल को सामान्य बनाने में सफलता भी प्राप्त करेंगे। दूसरों की मदद के लिए भी आप हमेशा के प्रकार आगे आना पसंद करेंगे।

वृषभ राशि : आपका दिन शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा और लाभ कमाने के भी कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। दोपहर के समय आपको कोई सकारात्मक समाचार सुनने को मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि: आपको अपने पिता और कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति को प्राप्त करने की इच्छा पूरी हो सकती है। इसी के चलते पूरे दिन मन भी प्रसन्न रहेगा। कामकाज में आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे लेकिन अनावश्यक चीजों पर खर्च करने से बचना होगा। कोई भी वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कर्क राशि : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यापार के मामले में अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है। इसकी मदद से धन की कमी दूर होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। व्यवसाय में बनने वाली योजनाओं को भी अब गति मिलेगा और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। सिंह राशि करियर राशिफल : राजनीतिक क्षेत्र में पाएंगे बड़ा लाभ

सिंह राशि: आपको राजनीतिक क्षेत्र में अपने अपेक्षा से भी कई ज्यादा सफलता प्राप्त हो सकती है। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में सफलता के मार्ग खुलते जाएंगे, जिससे मानसिक तनाव कम होगा और मन प्रसन्न रहेगा। अगर कार्यस्थल पर कोई काम रुका हुआ था तो अब वह पूरा हो सकता है।

कन्या राशि : कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत और लगन से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। लेकिन अगर आपके आसपास विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होती है तो ऐसे में अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। अन्यथा बात ज्यादा बढ़ सकती है।

तुला राशि: आपको शिक्षा या किसी प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। नौकरी करने वालों के लिए आय के नए स्रोत बनेंगे। आपके व्यवहार और बातचीत करने के तरीके से समाज में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। कामकाज के सिलसिले में ज्यादा भागदौड़ करने के चलते आपकी सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है।

वृश्चिक राशि: आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे। इससे धन, सम्मान, यश, कीर्ति में भी वृद्धि होगी। अगर कार्यस्थल पर कोई काम रुका हुआ था तो अब वह पूरा हो सकता है और आपकी मुलाकात अपने प्रियजनों से भी हो सकती है। लेकिन कुछ परिस्थितियों में आपको वाणी पर संयम रखना होगा, अन्यथा विवाद हो सकता है।

धनु राशि : सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी और आप अपने घर की जरूरत का सामान खरीदने पर भी धन खर्च कर सकते हैं। कार्यस्थल पर किसी अधीनस्थ कर्मचारी या संबंधी के कारण तनाव बढ़ने की संभावना है।

मकर राशि: व्यापार के मामले में समय अनुकूल रहेगा, जिससे आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी दिन अच्छा रहेगा और पहले की अपेक्षा अब आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाएगी।

कुंभ राशि : आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है और जीवनसाथी को अचानक शरीर से जुड़ी समस्या हो सकती है। इसी के चलते आपका ज्यादा समय भागदौड़ में भी निकल सकता है।

मीन राशि : बिजनेस में सफलता प्राप्त होगी, जिससे मन पूरा समय प्रसन्न रहेगा। कामकाज के सिलसिले में आप किसी दूर या पास की यात्रा पर भी जा सकते हैं।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

टैरिफ के मामले में क्या भारत भी ट्रंप को चीन-ब्राजील जैसा जवाब दे सकता है?

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ट्रंप को ललकार के 2026 के चुनावों के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं. ध्यान रहे कि लूला कम्यूनिस्ट हैं. भारत में अगर कम्यूनिस्ट सरकार होती तो हो सकता है कुछऐसा ही यहां भी हो रहा होता. इकॉनमी भले चौपट हो जाती पर ट्रंप को भारत से भी ललकार मिलती.

पा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर लगातार भारत है. कभी टैरिफ के बहाने तो कभी एपल और अन्य अमेरिकी कंपनियों पर भारत में प्रोडक्शन न करने की चेतावनी देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति भारत को अपने अर्दब में लेने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं. भारत के बार-बार इनकार करने के बाद भी ट्रंप करीब 30 बार बोल चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान की जंग उन्होंने व्यापार के नाम पर रुकवा दी. उनके व्यक्तित्व के हल्कापन का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर लगातार भारत है. कभी टैरिफ के बहाने तो कभी एपल और अन्य अमेरिकी कंपनियों पर भारत में प्रोडक्शन न करने की चेतावनी देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति भारत को अपने अर्दब में लेने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं. भारत के बार-बार इनकार करने के बाद भी ट्रंप करीब 30 बार बोल चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान की जंग उन्होंने व्यापार के नाम पर रुकवा दी. उनके व्यक्तित्व के हल्कापन का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है. -भारत न चीन है और न ही ब्राजील चीन आज दुनिया की दूसरी महाशक्ति है. जिस तरह चीन तरक्की कर रहा है वह जल्दी ही अमेरिका को भी पीछे छोड़ सकता है. चीन आज अपने शर्तों पर व्यापार कर सकता है. वह दुनिया की फैक्ट्री बोला जाता है. बिना चीन के आज दुनिया भर में काम ठप हो सकता है. इसलिए हम चीन की तुलना नहीं कर सकते हैं. रही बात ब्राजील की तो उससे अपनी तुलना हो सकती है, पर लूला जिस तरह से ललकार रे हैं ट्रंप को उस तरह से भारत कभी नही कर सकता है. क्योंकि हमारी प्रकृति ही ऐसी नहीं है. लूला ने कहा कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है और वह किसी रग्रिगोर (विदेशी, विशेष रूप से अमेरिकी) के आदेश को नहीं मानेगा. लूला ने ब्राजील की आर्थिक पारस्परिकता कानून के तहत अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी दी, लूला ने इस विवाद को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी. ट्रम्प की धमकी को उन्होंने बोल्सोनारो (पूर्व राष्ट्रपित) के समर्थन के रूप में चित्रित किया, जिसे उन्होंने रदेशद्रोहीर करार दिया है. मतलब साफ है कि लूला अमेरिका विरोध को 2026 के चुनावों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं. ध्यान रहे कि लूला कम्यूनिस्ट हैं. भारत में अगर कम्यूनिस्ट सरकार होती तो हो सकता है कुछऐसा ही यहां भी हो रहा होता. इकॉनमी भले चौपट हो जाती पर ट्रंप को भारत से भी ललकार मिलती. भारत न चीन है और न ही ब्राजीलचीन आज दुनिया की दूसरी महाशक्ति है. जिस तरह चीन तरक्की कर रहा है वह जल्दी ही अमेरिका को भी पीछे छोड़ सकता है. चीन आज अपने शर्तों पर व्यापार कर सकता है. वह दुनिया की फैक्ट्री बोला जाता है. बिना चीन के आज दुनिया भर में काम ठप हो सकता है. इसलिए हम चीन की तुलना नहीं कर सकते हैं. रही बात ब्राजील की तो उससे अपनी तुलना हो सकती है, पर लूला जिस तरह से ललकार रे हैं ट्रंप को उस तरह से भारत कभी नही कर सकता है. क्योंकि हमारी प्रकृति ही ऐसी नहीं है. लूला ने कहा कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है और वह किसी रग्रिगोर (विदेशी, विशेष रूप से अमेरिकी) के आदेश को नहीं मानेगा. लूला ने ब्राजील की आर्थिक पारस्परिकता कानून के तहत अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी दी, लूला ने इस विवाद को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी. ट्रम्प की धमकी को उन्होंने बोल्सोनारो (पूर्व राष्ट्रपित) के समर्थन के रूप में चित्रित किया, जिसे उन्होंने रदेशद्रोहीर करार दिया है. मतलब साफ है कि लूला अमेरिका विरोध को 2026 के चुनावों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं. ध्यान रहे कि लूला कम्यूनिस्ट हैं. भारत में अगर कम्यूनिस्ट सरकार होती तो हो सकता है कुछऐसा ही यहां भी हो रहा होता. इकॉनमी भले चौपट हो जाती पर ट्रंप को भारत से भी ललकार मिलती. भारत न चीन है और न ही ब्राजील चीन आज दुनिया की दूसरी महाशक्ति है. जिस तरह चीन तरक्की कर रहा है वह जल्दी ही अमेरिका को भी पीछे छोड़ सकता है. चीन आज अपने शर्तों पर व्यापार कर सकता है. वह दुनिया की फैक्ट्री बोला जाता है. बिना चीन के आज दुनिया भर में काम ठप हो सकता है. इसलिए हम चीन की तुलना नहीं कर सकते हैं. रही बात ब्राजील की तो उससे अपनी तुलना हो सकती है, पर लूला जिस तरह से ललकार रे हैं ट्रंप को उस तरह से भारत कभी नही कर सकता है. क्योंकि हमारी प्रकृति ही ऐसी नहीं है. लूला ने कहा कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है और वह किसी रग्रिगोर (विदेशी, विशेष रूप से अमेरिकी) के आदेश को नहीं मानेगा. लूला ने ब्राजील की आर्थिक पारस्परिकता कानून के तहत अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी दी, लूला ने इस विवाद को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी. ट्रम्प की धमकी को उन्होंने बोल्सोनारो (पूर्व राष्ट्रपित) के समर्थन के रूप में चित्रित किया, जिसे उन्होंने रदेशद्रोहीर करार दिया है. मतलब साफ है कि लूला अमेरिका विरोध को 2026 के चुनावों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं. ध्यान रहे कि लूला कम्यूनिस्ट हैं. भारत में अगर कम्यूनिस्ट सरकार होती तो हो सकता है कुछऐसा ही यहां भी हो रहा होता. इकॉनमी भले चौपट हो जाती पर ट्रंप को भारत से भी ललकार मिलती.

सामान्य सेवा केंद्र: ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति लेना

विजय गर्ग

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की आधारशिला के रूप में शुरू की गई, सीएससी दुनिया के सबसे बड़े ग्रामीण डिजिटल सेवा नेटवर्क में विकसित हुई है। लाखों उद्यमियों को सशक्त बनाना - विशेष रूप से महिलाएं - वे अब समावेशी विकास, कौशल और जमीनी स्तर पर डिजिटल वितरण के लिए एक स्केलेबल, टिकाऊ मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं

भारत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को सार्वजनिक भलाई के रूप में बनाने और बढ़ावा देने के लिए खबरों में रहा है। यह उन कुछ देशों में से एक है जिन्होंने दुनिया के अन्य देशों से जुड़े आवेदन के साथ इस तरह के डिजिटल बुनियादी ढांचे की पेशकश की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस तरह के लाभ गरीब या निम्न स्तर के डिजिटल पैठ वाले देशों के नागरिकों तक पहुंचें। इनमें से कुछ विघटनकारी हैं, जैसे वढक, डिजिटल लॉकर, आधार, कोविन आदि। हालांकि, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी सामाजिक उद्यम के एक अद्वितीय मॉडल के निर्माण के लिए डिजिटल पहल / कार्यक्रम का उपयोग करने का एक और पक्ष है। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का सरकारी कार्यक्रम स्किलिंग के इस ढांचे पर बनाया गया है और उद्यमिता विकास के लिए प्रोत्साहन के रूप में सेवा वितरण का उपयोग कर रहा है। लगभग छह लाख से अधिक सीएससी में से एक लाख से अधिक महिलाओं द्वारा संचालित और प्रबंधित किए जाते हैं। इतने बड़े पैमाने पर और भौगोलिक रूप से देश भर में समान रूप से फैले महिला-नेतृत्व वाले आईसीटी-सक्षम उद्यम अद्वितीय हैं और शायद दुनिया में अपनी तरह के पहले हैं। एक स्थानीय उद्यमी (सीएससी) के माध्यम से डिजिटल सेवा वितरण मॉडल नागरिकों को भारत में निवास स्थान के करीब जी 2 सी और बी 2 सी के अधिकांश हिस्से तक पहुंचने में सक्षम बनाता है, आज दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है। वर्ष 2006 में शुरू हुई, सीएससी योजना के लिए वास्तविक गति 2014 के बाद प्रदान की गई जब सीएससी 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बन गया और उसे राजनीतिक स्तर पर वांछित समर्थन मिला। सरकार ने कार्यक्रम को एक योजना के बजाय एक ₹आंदोलनर बनाने के लिए कदम उठाए और समाज की सेवा करने और स्थायी उद्यमों के निर्माण के लिए उद्यमियों की नई नस्ल के बीच जुनून और प्रतिबद्धता उत्पन्न की। वर्ष 2014 से पहले केवल 68,000 कार्यात्मक सीएससी थे जो मार्च 2025 तक बढ़कर छह लाख से अधिक हो गए हैं। गार्नरिंग प्राइवेट कैपिटल सरकार ने ऐसे उद्यमों को शुरू करने के लिए बुनियादी ढांचे के लिए आवश्यक कोई पूंजी सहायता प्रदान नहीं की, लेकिन नागरिकों को विभिन्न सेवाएं देने के लिए नेटवर्क का उपयोग किया। प्रत्येक सीएससी के लिए औसतन 2 लाख रुपये के पूंजी निवेश के साथ, इस योजना में कुल निजी निवेश 12,000 करोड़ रुपये का रहा है। सरकारी सहायता बड़ी संख्या में उद्यमियों से निजी पूंजी निवेश को उत्प्रेरित करने के लिए सक्षम करती है, वह भी मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों जैसे अन्य क्षेत्रों में समान पहल करने और निवेश के लिए निजी पूंजी जुटाने के लिए अनुकरणीय और एक सबक / मामला अध्ययन है। बड़ी सार्वजनिक भलाई के लिए। सीएससी के माध्यम से सरकारी सेवा वितरण लंबे समय से विकसित हुआ है। आज भी कुछ राज्य सीएससी नेटवर्क के माध्यम से जी2सी देने में असमर्थ या अनिच्छुक हैं। ऐसे राज्यों में या तो सेवा वितरण ढांचा अभी भी अविकसित है या अन्य चैनलों के माध्यम से वितरित किया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि भारत सरकार के स्तर पर, लगभग सभी मंत्रालय / विभाग नागरिक को सेवाएं देने के लिए सीएससी नेटवर्क का उपयोग कर रहे हैं। आधार पंजीकरण और अपडेटप्रारंभ में उद्यमी के लिए स्थिरता और उत्साह नागरिकों के लिए आधार पंजीकरण को सक्षम करके था। सीएससी के माध्यम से आधार पंजीकरण के 20 करोड़ से अधिक किए गए, जिससे समुदाय में सीएससी उद्यमियों की विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिली और साथ ही उनकी आय में काफी वृद्धि हुई। किसी समय लगभग 40,000 सीएससी आधार पंजीकरण कर रहे थे। उन्होंने स्कूल जाने वाले बच्चों और नए जन्म के पंजीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो सरकार अपने अन्य चैनलों के माध्यम से प्राप्त करने में असमर्थ थी। इस सेवा को रोक दिया गया था और परिणामस्वरूप सीएससी उद्यमी को व्यवसाय का बड़ा नुकसान हुआ था, इसके अलावा निवेश की गई पूंजी का उपयोग नहीं किया गया था (प्रत्येक आधार केंद्र को 3 लाख रुपये की पूंजी की आवश्यकता थी)। इसके बाद, चयनित सीएससी (बैंकिंग संवाददाता - बीसी के रूप में काम करने वालों) के माध्यम से केवल आधार अपडेशन की अनुमति दी गई। आधार का ठहराव पूरे सीएससी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा झटका था वित्तीय सेवाएं सीएससी के लिए ₹2उ केवल एक एनबलर था और एक स्थायी व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान नहीं करता था। सीएससी ने फिर बीसी और बी 2 सी के रूप में अन्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया। सीएससी उद्यमी की आय बढ़ाने में बैंकिंग, बीमा और पेंशन सेवाओं ने काफी हद तक मदद की। न केवल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बल्कि एचडीएफसी जैसे बैंकों ने सीएससी के माध्यम से नागरिकों को वित्तीय सेवाओं के वितरण को बढ़ावा देने में समर्थन किया। एचडीएफसी एमडी ने यहां तक कि कई सीएससी का दौरा किया और अपने उत्पादों और सेवाओं को वितरित करने में सीएससी का समर्थन करने के लिए हर स्तर पर एक विशेष टीम स्थापित की (पीएसबी एमडी अपनी शाखाओं का दौरा भी नहीं करते हैं)। न केवल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बल्कि एचडीएफसी जैसे बैंकों ने सीएससी के माध्यम से नागरिकों को वित्तीय सेवाओं के वितरण को बढ़ावा देने में समर्थन किया। एचडीएफसी एमडी ने यहां तक कि कई सीएससी का दौरा किया और अपने उत्पादों और सेवाओं को वितरित करने में सीएससी का समर्थन करने के लिए हर स्तर पर एक विशेष टीम स्थापित की (पीएसबी एमडी अपनी शाखाओं का दौरा भी नहीं करते हैं)। इसी तरह, बीमा सेवाओं के लिए एचडीएफसी एर्गो और इंडिया फर्स्ट सीएससी नेटवर्क का उपयोग करने वाले पहले कुछ थे। आईआरडीऐआई, हालांकि, पहली बार सीएससी ने ब्रोकर के रूप में काम करने में सक्षम किया - सभी बीमा कंपनियों के उत्पाद वितरित करें - और उसी के लिए दिशानिर्देश तैयार किए। नागरिक अब बीमा पॉलिसियों के लिए प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं और सीएससी के माध्यम से जीवन और गैर-जीवन की नई नीतियों की खरीद कर सकते हैं।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर शाब्दिक महासंग्राम- पीएम नरेन्द्र मोदी बनाम नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी-ट्रंप के नाम की भी गूंज

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चल रहे मानसून सत्र को पूरी दुनियाँ लाइव देख रही है जिसमें पिछले कुछ सत्रों की तरह इस सत्र में भी ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप का 29 बार सीजफायर करने का दावा व बिहार वोटर वेरीफिकेशन इत्यादि मुद्दों पर हंगामें की वजह से कामकाज ठप्प पड़ा था। आखिर सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर बहस करने की बात मानी और संसद के दोनों सदनों में 16-16 घंटे की बहस 28-29 जुलाई 2025 को देर रात्रि समाप्त हुई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र दोनों दिन पूरी बहस को टेलीविजन के माध्यम से कवर किया तो पाया के सभी पक्षकारों ने तर्क वितर्क बहुत ही शानदार किया परंतु विशेष रूप से रेखांकित करने वाली बात नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व प्रियंका गांधी तथा पीएम मोदी रहे। जिसमें मैंने महसूस किया कि तीन बातों से मैं और शायद जानता भी संतुष्ट नहीं हुई होगी (1) यह कि ट्रंप की गूंज इस मामले में संसद के दोनों सदनों में हुई जो 29 बार कह चुके हैं कि सीजफायर उन्होंने करवाया है।(2) मुद्दा कि भारत इतनी आसानी से पाक डीजीएमओ का निवेदन कैसे मान सकता है, जबकि पूरा विपक्ष, सरकार के साथ खड़ा था।और (3) अंतिम बात जब इतनी 32 घंटे की बहसबाजी तर्कवितर्क हुए तो फिर विभिन्न पार्टियों के सांसद 7 डेलिगेशन बनाकर पूरी दुनियाँ में क्या समझाने गए थे। हालांकि विपक्ष के सभी वक्ताओं द्वारा उठाए गए प्रश्नों का जवाब माननीय पीएम ने 29 जुलाई 2025 को अंत में देर रात्रि एक घंटा 22 मिनट का समय लेकर पूरे सवालों के जवाब दिए, फिर भी मेरा मानना है कि यह तीन प्रश्न मेरे और जनता के मन में क्लियर नहीं हुए हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटे की बहस में, पूरी दुनियाँ में घूमें सभी पार्टियों के 7 डेलिगेशन व ट्रंप द्वारा सीजफायर करवाने के 29 बार बयान पर जवाब/खंडन नहीं आया जो रेखांकित करने वाली बात है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 29 जुलाई 2025 को देर रात्रि समाप्त हुए 32 घंटे के ऑपरेशन सिंदूर पर शाब्दिक महासंग्राम में नेता प्रतिपक्ष व अनेक सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों की करें तो, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहलगाम में हुआ हमला क्रूर और निर्दयी था, जो पूरी तरह पाक प्रायोजित था। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले ही विपक्ष ने भारत की सेना और चुनी हुई सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़ा रहने की प्रतिबद्धता जताई थी। हमें गर्व है कि एक विपक्ष के तौर पर हम उस तरह एकजुट रहे जैसा हमें होना चाहिए था। ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने सीजफायर करवाया। अगर दम है तो पीएम यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं।अगर यह झूठ है तो पीएम यहां बोल दें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। पीएम में हिम्मत है तो वो बोल देंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में बहस के दौरान सरकार पर पहलगाम आतंकी हमले पर सवाल खड़े किए। उन्होंने आतंकी हमले की जिम्मेदारी को लेकर कहा कि किसी का इस्तीफा क्यों नहीं हुआ? अपने भाषण में उनका निशाना रक्षा, गृहमंत्री पर था। उन्होंने कहा 2008 में आतंकी हमला हुआ। राज्य के चीफ मिनिस्टर का इस्तीफा हुआ। देश के गृहमंत्री ने इस्तीफा दिया, क्या इस सरकार में किसी काइस्तीफा हुआ? क्या सेना प्रमुख, क्या इंटेलीजेंस प्रमुख ने इस्तीफा दिया? क्या गृह मंत्री ने इस्तीफा दिया? इस्तीफा छोड़िए, जिम्मेदारी तक नहीं ली?

सुखनदान सजायेगा सूफी महफिल

भारत संवाद

लखनऊः। गीत- संगीत , तबले की थाप पर कथक के घुँघरू की आवाज पर वाह वाह करने वाले कला के कदरदानो को मिलेगा आनन्द सुफी संगीत को सुनने का सुखनदान फाउण्डेशन के फाउण्डर / चेयरमैन नदीम फरुख ने प्रेस क्लब मे आयोजित प्रेस वार्ता मे यह बात कही। सुखनदान के नेशनल प्रेसीडेंट कल्चरल विंग मोहम्मद अली साहिल ने जानकारी देते हुए कहा उनकी संस्था स्वतंत्रता दिवस के 78वें वर्ष के स्वतंत्रता दिवस को अगस्त माह भर मनाने का संकल्प लिया है जिसका प्रारम्भ प्रेस वार्ता के जरिए किया जा रहा है।स्वतंत्रता दिवस के माह अगस्त मे विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन जश्न ए हिन्दुस्तान के नाम से होगे। ग्रैंड म्यूजिकल नाईट का पोस्टर लांच करते हुए बताया कि सुप्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय सूफी युवाओ गायक रईस अनीस साबरी 26 अगस्त को सूफी गीतो से अवध की शाम सजायेगे जो जश्न ए हिन्दुस्तान का सबसे बडा और आयोजन है । जिसके टिकट बुक माई शो से बुक कर सकते है। मो जुबेर , पत्रकार सुशील दुबे , मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब की मंजू श्रीवास्तव,बिलाल सहारनपुरी ,मो आसिफ सभी ने इस आयोजन के लिए स्थानीय जन-मानस से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसको अविस्मरणीय व ऐतिहासिक बनाये जाने की अपील की गयी। अन्य आयोजनो मे वृक्षारोपण, मेडिकल कैम्प, कविसम्मेलन, मुशायरे , कव्वाली के आयोजनो को सफल बनाने के लिए सहयोग और साथ मांगा ।पोस्टर लांचिंग के साथ ही कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दी गई। मंच संचालन सरला शर्मा ने किया पोस्टर लांचिंग मे मो अहसन, कुदरत उल्ला, जुबैर अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य मुख्यालय प्रयागराज की गाइड सोनाली विश्वकर्मा राष्ट्रपति गाइड पुरस्कार से सम्मानित

भारत संवाद

सोनाली विश्वकर्मा जो उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य मुख्यालय प्रयागराज के अंतर्गत प्रयागराज जिले की गाइड है। इनको राष्ट्रपति भवन में हमारी माननीय राष्ट्रपति सुश्री द्रोपदी मुर्मू के हाथों राष्ट्रपति गाइड पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह औपचारिक समारोह 22 जुलाई 2025 को गोदावरी हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. अनिल कुमार जैन, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल, निदेशक श्रीमती दर्शना पावस्कर, कार्यकारी निदेशक अमर बी. छेत्री, युवा और खेल सचिव रूपिंदर बरार और सभी राष्ट्रीय आयुक्तों के साथ उपस्थित थे।इस भव्य समारोह को देखने वाले 22 राज्य प्रतिनिधियों के साथ पूरे भारत से केवल 16 सदस्यों को ही यह उपलब्धि हासिल करने का मौका मिला। सोनाली प्रयागराज मंडल के अंतर्गत शक्ति समूह से जुड़ी हैं। जिसमें यूनिट लीडर दीपमाला और ग्रुप लीडर नूरी सिद्धिकी हैं वह पिछले 12 वर्षों से इसकी सदस्य हैं और उन्होंने मैसूर में 17वीं राष्ट्रीय जम्बूरी भुवनेश्वर में अखिल भारतीय रेलवे जम्बूरी कम्पास मानचित्रण प्राथमिक चिकित्सा पर प्रथम जम्बूरी कार्यशालाओं जैसे कई शिविरों में भाग लिया है। उन्होंने प्रयागराज जंक्शन पर निःशुल्क जल सेवा, महाकुंभ मेला 2025 जैसी सेवाएँ भी प्रदान की हैं और विभिन्न सफाई अभियानों में भी भाग लिया है। उनके पिता ने 2014 में उन्हें शक्ति समूह में पंजीकृत कराया था और उन्हें स्काउटिंग उसके नियम और वचनों से परिचित कराया गया था। वह अपनी कक्षाओं में नियमित थीं जहाँ उन्होंने पायनियरिंग, अनुमान, प्राथमिक चिकित्सा, कम्पास, आग आपदा प्रबंधन आदि सीखा। उन्होंने अपनी प्रवेश परीक्षा, फिर प्रथम सोपान, द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान और फिर राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण किया। उसके बाद उन्हें राष्ट्रपति गाइड पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने उच्च अंकों के साथ इसे अर्हता प्राप्त की जिसने उन्हें वर्ष 2019 से शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वाला बना दिया। उन्हें अन्य शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वालों के साथ 22 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति भवन बुलाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। अपने राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री मंजू जोशी] राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री रवि कान्त शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पंकज राज कन्नोजिया, श्रीमति ममता रानी श्रीवस्तवा, जिला सचिव, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती राज कुमारी, राज्य मुख्य आयुक्त श्री हिमांशु बडोनी, राज्य सचिव श्री संजीव कुमार श्रीवास्तव, सहायक राज्य सचिव श्री संतोष वाजपेयी, शिक्षकों और एनसीआर राज्य तथा प्रयागराज जिले एवं शक्ति ग्रुप के प्रमुख लीडरों के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में वह एक उत्कृष्ट राष्ट्रपति गाइड के रूप में उभरी प्रयागराज में उनके परिवार के सदस्यों और साथी स्काउट्स और गाइड्स ने उन्हें हार्दिक आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों, भाई-बहनों और दोस्तों को दिया।

फास्ट ट्रैक

साइबर जागरुकता दिवस पर साइबर क्राइम थाना मीरजापुर द्वारा कार्यशाला का आयोजन

भारत संवाद

'सोमेन बर्मा' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मीरजापुर के निर्देशन मेंसाइबर क्राइम पुलिस थाना ,मीरजापुरद्वाराआज दिनांक 01/08/2025 को 15 दिवसीय जन जागरुकता कार्यक्रम के दृष्टीगत साइबर जागरुकता दिवस के अवसर पर साइबर अपराध से संबन्धित घटनाओं की रोक थाम के लिये स्थान- रिजर्व पुलिस लाइन्स , सभागार कक्ष जनपद मीरजापुर में साइबर जागरुकता से सम्बन्धित कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी, द्वारा साइबर जागरूकता में प्रतिभाग किया गया । इस कार्यशाला में क्षेत्राधिकारी सदर तथा साइबर क्राइम थाना मीरजापुर के अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा साइबर अपराध के प्रकार की जानकारी दी गयी ।जैसे- साइबर अपराध क्या है, साइबर अपराध के प्रकार तथा उनसे कैसे बचा जाये तथा साइबर की दुनिया में नया अपराध डिजिटल गिरफ़्तारी के बारे में जानकारी दी गयी एवं फेसबुक पर सेक्सटोर्शन, स्क्रीन शेयरिंग एप के जरिये फजीर्वाड़ा, आनलाइन खरीदारी, टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी व वढक, हअछछएळ, इण्टरनेट बैंकिंग के अपराध ,एवं साइबर अपराध की घटना घटित हो जाने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प नंबर 1930/साइबर क्राइमपोर्टल की पर अपनी शिकायत दर्ज कैसे करें, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी । साइबर अपराध से बचाव हेतु क्या करें/क्या न करें से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश का पम्पलेट वितरित किया गया ।

संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह -मीरजापुर जनपद में ऐतिहासिक उपलब्धियों का उत्सव

- मा0 विधायक नगर, मड़िहान, मझवां, छानबे, जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने दीप प्रज्जवलित कर किया शुभारम्भ
- आंकाक्षात्मक विकास खण्डों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

भारत संवाद

मीरजापुर 01 अगस्त 2025- नीति आयोग भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के समूह से समृद्धि की ओर संपूर्णजा अभियान सम्मान समारोह का आयोजन विकास भवन पथरहिया के सभागार में किया गया। इस अवसर पर आंकाक्षा हाट एवं स्वंय सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा स्वनिर्मित हस्तशिल्प व अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक मड़िहान श्री रमाशंकर सिंह पटेल, मा0 विधायक मझवा श्रीमती शुचिस्मिता मौर्या, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल, अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कनौजिया, चेयरमैन सहकारिता जगदीश पटेल, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द के द्वारा संयुक्त रूप दीप प्रज्जवलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम की रूप रेखा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित आक्षांत्मक विकासखण्ड कार्यक्रम के अन्तर्गत जुलाई से सितंबर 2024 के मध्य आयोजित संपूर्णता अभियान आकांक्षी जिला एवं ब्लाक कार्यक्रमों के अंतर्गत एक ऐतिहासिक एवं नवाचारी पहल के रूप में सामने आया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छह प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (ज़मल चमतवितउंदबम प्दकपबंजवते) में पूर्णता प्राप्त करते हुए जिलों और ब्लाकों में प्रतिस्पर्धात्मक सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना हैं। कार्यक्रम में आंकाक्षात्मक विकास खण्ड के स्वंय सहायता समूहों के द्वारा स्वाउत्पादित एवं उपलब्धियों के उपलक्ष्य में ह्यसंपूर्णता अभियान सम्मान समारोह एव आकांक्षा हाट प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका मा0 विधायकगण व जनप्रतिनिधिगण के द्वारा भ्रमण कर अवलोकन भी किया गया ।परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 ने अपने समबेधन में बताया कि जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार के कुशल नेतृत्व में ब्लाक अधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से जिले के आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम ।

किसानों की उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजार दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्धः दिनेश प्रताप सिंह

कृषि विशेषज्ञों, संस्थानों और निर्यातकों ने साझा किए सुझाव और रणनीतियाँ

- उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की प्रथम बैठक संपन्न
- मूल्य संवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण पर जोर, निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

भारत संवाद

लखनऊः प्रदेश में औद्यानिक फसलों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शुक्रवार को लखनऊ स्थित उद्यान निदेशालय के ऑडिटोरियम में उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की पहली बैठक एवं निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश का उद्यान विभाग निरंतर प्रगति कर रहा है।किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य और वैश्विक पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड का गठन किया है।उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न आम महोत्सव 2025 ने प्रदेश की ब्रांडिंग में बड़ी भूमिका निभाई है, जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश का आम रूस जैसे देशों में 800 रूपए प्रति किलो तक बिक रहा है।उद्यान मंत्री ने कहा कि निर्यातक और एफपीओ प्रदेश की स्थानीय फसलों को वैश्विक मानक के अनुरूप तैयार करें।छोटे-छोटे एफपीओ अपने क्षेत्रों की विशिष्ट फसलों को अंतरराष्ट्रीय मंच दें। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट का निर्माण पूर्ण होने के बाद प्रदेश की फल-सब्जियों और कृषि उत्पादों का हवाई मार्ग से निर्यात एक नई ऊंचाई प्राप्त करेगा। उन्होंने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जा रही है। आगरा में आलू का अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित किया जा रहा है। विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं, तकनीकी कार्यक्रमों तथा पर ब्लॉक वन क्रॉप के माध्यम से लगातार किसानों की आमदनी को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।कार्यशाला के अंत में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश और एएफसी इंडिया लिमिटेड (नाबार्ड की अनुषंगी संस्था) के बीच सिंगल विंडो समाधान को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता निर्यात से जुड़े एफपीओ, एफपीसी और उद्यमियों को एक ही मंच पर तकनीकी, वित्तीय और प्रक्रिया संबंधी सहायता प्रदान करेगा।अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री बी0एल0 मीणा ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड के गठन का उद्देश्य निर्यात प्रोत्साहन हेतु समस्त हितधारकों के मध्य समन्वय स्थापित कराना, निर्यात मांग के अनुरूप गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराना है।

प्रयागराज मण्डल में स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ किया गया

भारत संवाद

स्वतंत्रता दिवस -2025 के अवसर पर राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के क्रम में आज दिनांक 01.08.2025 को प्रयागराज मण्डल के अपर मण्डल रेल प्रबंधक/ सामान्य, श्री संजय सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ किया गया। प्रयागराज मण्डल में यह स्वच्छता पखवाड़ा 01/08/2025 से 15/08/2025 तक मनाया जाएगा। इस शपथ कार्यक्रम में अपर मण्डल रेल प्रबंधक/इंफ्रा, श्री नवीन प्रकाश; अपर मण्डल रेल प्रबंधक/परिचालन, श्री मुबशिशर वारिस एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे । स्वच्छता अभियान के पहले दिन मण्डल कार्यालय में आयोजित शपथ समारोह में समस्त कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति शपथ के साथ जागरूक किया और यह अपील की गयी कि भारत सरकार 15 दिवसीय स्वच्छता अभियान को प्रयागराज मण्डल के सभी स्टेशनों पर कार्यरत सभी कर्मचारियों को आत्मसात करना जिससे रेलवे एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा व स्वच्छ बनाना सभी का कर्तव्य है । अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह ने स्वच्छता के प्रति स्वयं एवं मंडल कार्यालय के सभी कर्मचारियों को शपथ दिलायी कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी । महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया । अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें । मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा । हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा । मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा । सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूंगा । मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं । इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा । मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा । वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा । मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा। शपथ समारोह में अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह ने सभी कर्मचारियों को अपने विभाग को स्वच्छ रखने को कहा । प्रयागराज मंडल के सभी स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा । स्वच्छता अभियान में सभी स्टेशनों पर स्वच्छता के लिए आम जनमानस को जागरूक किया जा रहा है जिसके लिए कई जगह नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी किया जा रहा है । राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के क्रम मेन प्रयागराज मण्डल में प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी , टूंडला जंक्शन, मिजार्पुर, इटावा जंक्शन मानिकपुर, विंध्याचल, जिगना, अलीगढ़, फफूंद, कानपुर अनवरगंज, बरगढ़ एवं मैथा स्टेशनों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली ।

प्रथम बार अंतर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा दिनांक 04.08.2025 से 05.08.2025 तक प्रथम बार अंतर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 (सांस्कृतिक महोत्सव) का आयोजन किया जा रहा हैक इस प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय एवं सभी मण्डलों व इकाईयों के प्रतिभागियों एवं रेल कर्मचारियों एवं उनके टीमो द्वारा भिन्न-भिन्न सांस्कृतिक विधाओं में अपनी प्रस्तुति दी जाएगी उक्त प्रतियोगिता उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज में आयोजित किया जायेगाक इस प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय एवं मंडलों व इकाइयों के द्वारा मुख्य चार सांस्कृतिक विधाओं (संगीत, नृत्य, वाद्य एवं नाटक) की 10 उप विधाओं में 120 प्रतिभागियों एवं रेल कर्मचारियों के द्वारा भाग लिया जा रहा हैक दिनांक 04.08.2025 को सम्मानित निर्णायक मंडल एवं अधिकारियों के स्वागत उपरांत प्रतियोगिता का दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुभारम्भ किया जायेगाक प्रथम दिन उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय, सभी मंडलों व इकाइयों के प्रतिभागियों एवं कर्मचारियों द्वारा नाटक, नृत्य, वाद्य विधा की सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी क प्रतियोगिता में विजेताओं का निर्णय प्रतिष्ठित निर्णायक मण्डल द्वारा किया जायेगा दिनांक 05.08.2025 को मुख्य अतिथि श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी, महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे एवं अध्यक्ष, महिला कल्याण संगठन, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज की उपस्थिति में प्रतियोगिता का समापन समारोह स्पंदन रेल अधिकारी क्लब, सूबेदारगंज, प्रयागराज में आयोजित किया जायेगाक समापन समारोह में निर्णायक मण्डल तथा विजेताओं को मुख्य अतिथि महोदय द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जायेगा उक्त प्रतियोगिता के अंतिम दिन दिनांक 05.08.2025 को भी चुनिन्दा प्रतिभागी टीम द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जाएगीक इस सांस्कृतिक प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, यूनियन व एसोसिएसन के पदाधिकारी तथा इलेक्ट्रोनिक मिडिया के सदस्य उपस्थिति रहेंगे

अटल आवासीय विद्यालय, कोरांव हेतु अतिथि शिक्षकों के चयन हेतु 2 अगस्त को भी लिया जायेगा वॉक इन इण्टरव्यू

भारत संवाद

मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज की अध्यक्षता में गठित चयन समिति के माध्यम से दिनांक 01.08.2025 को अटल आवासीय विद्यालय, कोरांव प्रयागराज हेतु गेस्ट फैकल्टी के माध्यम से शिक्षकों के रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों के चयन हेतु 01 टी0जी0टी संगीत, 01 टी0जी0टी0 कला/क्राफ्ट 01 टी0जी0टी0 पी0ई0टी0 महिला, 01 टी0जी0टी0 हिन्दी, 01 टी0जी0टी0 अंग्रेजी 01 टी0जी0टी0 सामाजिक विज्ञान, 01 पीजी0टी0 गणित, 01 पी0जी0टी0 सामाजिक विज्ञान एवं 01 पी0जी0टी0 अंग्रेजी विशय के पदों पर चयन हेतु विकास भवन के सभागार में वॉक इन इण्टरव्यू आयोजित किया गया, जिसमें अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।उपरोक्त के क्रम में दिनांक 02.08.2025 को प्रातः 10:00 बजे विकास भवन के सभागार में वॉक इन इण्टरव्यू आयोजित होगा, पात्र अभ्यर्थी दिनांक 02.08.2025 को प्रातः 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियों व एक सेट छायाप्रतियों सहित उपस्थित होकर प्रतिभाग कर सकते है। यह जानकारी डॉ0 संजय कुमार लाल-सहायक श्रम आयुक्त, कृते उप श्रम आयुक्त उ0प्र0, प्रयागराज क्षेत्र, प्रयागराज ने दी है।

हिंदी साहित्य सम्मेलन में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती का आयोजन सम्पन्न

भारत संवाद

शुक्रवार १ अगस्त को हिंदी साहित्य सम्मेलन के अंतर्गत राजर्षि टण्डन मंडपम सभागार में पुरुषोत्तम दास टंडन की १४३ वीं जयंती हिंदी साहित्य सम्मेलन के कार्यवाहक उपसभापति विभूति मिश्र की अध्यक्षता में मनाई गई जिसमें मुख्य अतिथि मीडिया अध्ययन केंद्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ धनंजय चोपड़ा एवं विशिष्ट अतिथि श्रीकुल पीठाधीश्वर स्वामी डॉ सचिन्द्रनाथ मिश्र रहे। सर्वप्रथम साहित्यकार चंद्रप्रकाश पाण्डेय ने टंडन जी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय पर हमें पुरूषोत्तम दास टंडन की तरह चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ धनंजय चोपड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि टंडन जी अपने समय के बेहतरीन पत्रकार थे, हिंदी प्रेम के नाते वह राजनीति में गए। मैं उनको भाषा का प्राण मानता हूं। समारोह की अध्यक्षता कर रहे हिंदी साहित्य सम्मेलन के कार्यवाहक उपसभापति विभूति मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि टंडन जी भारतीय संस्कृति के पोषक थे और उन्होंने हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के लिए अनेक कार्य किए। संचालन पूर्व कार्यालय अधीक्षक शेषमणि पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजकुमार शर्मा, पवित्र तिवारी, किंठमणि मिश्र, सुमन ठाकुर, समीर जैन, अवधेश निषाद, अमृता, संतनारायण त्रिपाठी, अवधनारायण शुक्ल, पूनम यादव, कृष्णकुमार पाण्डेय, कमलेन्द्र त्रिपाठी, दुगार्नंद शर्मा अनेक साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

संकल्प

जीवन हमारा है, सांसें हमारी हैं इनकी रक्षा भी धर्म हमारा

विश्व लंग्स कैंसर दिवस पर जीवनरक्षक जागरूकता का संकल्प

- विश्व लंग्स कैंसर दिवस पर परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमारों ने की विश्व मंगल हेतु प्रार्थना
- वायु, अदृश्य जीवनरेखा : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त को विश्व लंग्स कैंसर दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य है लोगों को इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना, इसके कारणों को समझाना, और समय पर निदान एवं बचाव के उपायों को बढ़ावा देना है। लंग्स कैंसर आज न केवल धूम्रपान करने वालों की बीमारी रह गई है, बल्कि वायु प्रदूषण, जीवनशैली और आहार में बदलाव के कारण यह सामान्य जनसामान्य में भी तेजी से बढ़ रहा है।यह दिन हमें चेतावनी देता है कि यदि हमने आज सावधानी नहीं बरती, तो कल बहुत देर हो सकती है। यह न केवल एक चिकित्सा जागरूकता दिवस है, बल्कि यह हमारे जीवन को प्रकृति के अनुसार ढालने का एक अवसर भी है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि फेफड़े जीवन का आधार हैं, सांसों का स्रोत हैं। सांस जीवन की सबसे मूल और अनिवार्य क्रिया है। बिना भोजन कुछ दिनों तक, बिना जल कुछ समय तक जीवित रह सकते हैं लेकिन बिना सांस के कुछ मिनट भी नहीं रहा जा सकता। यह वह अदृश्य जीवनरेखा है जो हमारे अस्तित्व को बनाए रखती है लेकिन जब यही हवा, जो हमें जीवन देती है, विषैली हो जाए, तो सबसे पहले आघात हमारे फेफड़ों पर होता है। आज के युग में वायु प्रदूषण एक मौन हत्यारा बन चुका है। महानगरों में धुएँ से भरी सड़कों, वाहनों के धुएँ, कारखानों के उत्सर्जन और घरेलू प्रदूषण से वातावरण इतना दूषित हो गया है कि सांस लेना भी जोखिम बन गया है। इसके साथ ही बिगड़ती जीवनशैली जैसे धूम्रपान, तली-भुनी चीजों का सेवन, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव हमारे फेफड़ों को और भी कमजोर बना देते हैं। लंग्स कैंसर, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियाँ आज आम होती जा रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ये समस्याएं अब सिर्फ बुजुर्गों या धूम्रपान करने वालों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि बच्चे, युवा और हमारी बहन, बेटियाँ भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।स्वामी जी ने कहा कि इसका समाधान भी हमारे ही हाथों में है। फेफड़ों की रक्षा के लिए किसी बड़े बदलाव की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे संकल्पों की आवश्यकता है। सबसे पहले, शुद्ध हवा के लिए हमें अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधारोपण करना होगा। हर पौधा न केवल ऑक्सीजन देता है, बल्कि वायुमंडल से विषैले तत्वों को भी सोख लेता है। दूसरा, धूम्रपान से दूरी बनाना अत्यंत आवश्यक है। यह केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी आवश्यक है, क्योंकि पैसिव स्मोकिंग भी उतनी ही हानिकारक होती है। तीसरा, योग और प्राणायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। जीवन हमारा है, सांसें हमारी हैं इनकी रक्षा भी हमारा धर्म है। लंग्स कैंसर से बचाव का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका है जागरूकता और सावधानी। हर व्यक्ति अपने स्तर पर कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके इस गंभीर बीमारी से बच सकता है। यदि धूम्रपान करते हैं, तो आज ही छोड़ने का संकल्प लें और अगर नहीं करते, तो कभी शुरूआत न करें। अपने आस-पास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। सड़कों पर निकलते समय मास्क पहनें। पेड़-पौधे लगाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें। हमारी सनातन संस्कृति में भोजन को औषधि माना गया है। सात्विक, ताजा, और रसायन-मुक्त आहार न केवल शरीर को बल देता है

भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 को बढ़ाते हुए किया गया 14 अगस्त

भारत संवाद

मीरजापुर - उप निदेशक कृषि विकेश पटेल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद मीरजापुर के किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 को बढ़ाते हुए 14 अगस्त 2025 तक के लिए कर दिया गया है। खरीफ 2025 के अन्तर्गत किसान भाई दिनांक 14 अगस्त 2025 तक अपनी फसलों का बीमा करा सकते है। प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फसलों में विपरीत मौसम के कारण क्षति का सामना करना पड़ता है, जिसकी क्षतिपूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि सभी किसान भाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत अपने फसलों का बीमा अवश्य करा लें। बाढ़/ कम वर्षा/प्रतिकूल मौसम, फसलों की बुवाई बाधित होने, विलम्ब से होने के कारण उत्पादन में हुई हानि से कृषकों की आय पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, उनको नष्ट हुई फसलों की क्षतिपूर्ति प्राप्त हो सके। इसके लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक किसान भाईयों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से आच्छादित किया जाए। इसे लिए ऋणी कृषकों के साथ-साथ गैर ऋणी कृषक भी अपना बीमा करा सकते है। जिन कृषक बन्धुओं ने अपना के०सी०सी० बनवाया है वे शीघ्र ही बैंक से सम्पर्क कर अपनी फसलों का बीमा करा लें तथा जिन किसान बन्धुओं ने किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनवाया है और वे अपनी फसल का बीमा कराना चाहते है तो वे अपने निकट के बैंकों/सी०एस०सी० पर जाकर आवश्यक दस्तावेज (आधार, खतौनी एवं बैंक पासबुक) के साथ अपनी फसलों का बीमा करा सकते है और अपनी फसलों को नुकसान होने से बचा सकते है। जनपद में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत एस०बी० आई० जनरल इन्श्योरेंश कम्पनी लिमिटेड को बीमा कम्पनी के रूप में नामित किया गया है। खरीफ के समस्त फसलों हेतु 2 प्रतिशत तथा औद्यानिक फसलों हेतु 5 प्रतिशत प्रीमियम निर्धारित है। जिससे फसल की बुवाई किसी भी कारण असफल होती है तो बीमित राशि का 25 प्रतिशत धनराशि कृषकों को तत्काल बीमा कम्पनी द्वारा दिया जायेगा। फसल की बुवाई से कटाई की अवधि में स्थानीय आपदाओं, ओला, भूस्खलन, जल प्लावन से फसल की क्षति होने अथवा फसल की कटाई के उपरान्त 14 दिनों की अवधि तक खेत में कटी हुई फसलों को बेमौसम / चक्रवाती वर्षा, चक्रवात से क्षति की स्थिति में व्यक्तिगत बीमित कृषक के स्तर पर क्षति का आंकलन कर क्षतिपूर्ति की धनराशि देय होती है।

डीएम और नगरायुक्त ने किया महाड़ी व जनमंच का निरीक्षण

मुख्यमंत्री दौरे को लेकर युद्ध स्तर पर हो रही तैयारियां

भारत संवाद

सहारनपुर। अगले दो-तीन दिन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित सहारनपुर दौरे को लेकर नगर निगम व प्रशासन तैयारियों को युद्ध स्तर पर अंतिम रुप दे रहा है। आज जिलाधिकारी व नगरायुक्त ने अधिकारियों के साथ गंगोह रोड स्थित गोगा महाड़ी व जनमंच का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल, नगरायुक्त शिपू गिरी, सीडीओ सुमित राजेश महाजन व अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह व निगम अधिकारियों के साथ आज सुबह गंगोह रोड स्थित गोगा महाड़ी पहुंचे और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के भ्रमण को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। नगरायुक्त ने निगम अधिकारियों को महाड़ी के मुख्य द्वार के सामने का कार्य आज रात तक पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने लाईट व पेयजल तथा हॉर्टिकल्चर सम्बंधी सभी कार्य व्यवस्थित ढंग से जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने वाटर कूलर ऐसे स्थान पर रखने के निर्देश दिए जहां वह उपयोगी हो लेकिन लोगों के आगमन में बाधा न बनें। मुख्यमंत्री के महाड़ी भ्रमण कार्यक्रम को कैसे और कितना विस्तार दिया जाए, इस पर भी अधिकारियों ने विचार विमर्श किया। जिलाधिकारी व नगरायुक्त ने गांधी पार्क स्थित जनमंच का भी निरीक्षण किया और वहां आवश्यक रुप से साफ सफाई, आसपास नाली नालों की मरम्मत, तथा रंगाई-पुताई आदि के सम्बंध में निगम अधिकारियों को निर्देश दिए।

जन्म-मृत्यु की सूचना निजी हॉस्पिटल अवश्य दें: मृत्युंजय

नर्सिंग होम व हॉस्पिटल जन्म मृत्यु की सूचना देने के लिए कानूनी रुप से बाध्य

भारत संवाद

सहारनपुर। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने तथा सम्बंधित व्यक्तियों की परेशानियों को कम करने के उद्देश्य से आज नगर निगम द्वारा शहर के सभी नर्सिंग होम प्रतिनिधियों के साथ जनमंच में सीधा संवाद किया गया। जिसमें शहर के पचास से अधिक नर्सिंग होम प्रतिनिधियों तथा शहरी क्षेत्र के सीएचसी व पीएचसी प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

अपर नगरायुक्त एवं नगर निगम में जन्म-मृत्यु विभाग के वरिष्ठ प्रभारी मृत्युंजय ने निजी हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम प्रतिनिधियों को बताया कि सरकार द्वारा जनवरी 2017 में जारी नोटिफिकेशन के बाद उनके नर्सिंग होम या हॉस्पिटल में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु या शिशु के जन्म की सूचना सीआरएस पोर्टल पर अपलोड कर नगर निगम को देना कानूनी रुप से अनिवार्य है। लेकिन अधिकांश चिकित्सक अपने इस दायित्व का सही निर्वहन नही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई नर्सिंग होम शिशु के जन्म का प्रमाण पत्र जारी करता है तो वह वैध नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी सूचना पर नगर निगम द्वारा जारी प्रमाण पत्र ही कानूनी रुप से वैध माना जाता है। उन्होंने कहा कि राजकीय हॉस्पिटल यदि ऐसा प्रमाण पत्र जारी करते है तो वह वैध प्रमाण पत्र माना जायेगा।

अपर नगरायुक्त ने कहा कि जो नर्सिंग होम या ऐसे हॉस्पिटल जिनके यहां शिशुओं का जन्म होता है, वे अपने यहां सीआरएस पोर्टल अपलोड कर लें और जन्म-मृत्यु की सूचना नगर निगम को तीन दिन के भीतर देने का प्रयास करें ताकि यदि कहीं कोई कमी रह जाती है तो उसे दूर किया जा सके। उन्होंने निजी चिकित्सा संस्थानों से अनुरोध किया कि वे नगर निगम से संपर्क करते हुए इन्फार्मेट आई डी प्राप्त कर ले। उन्होंने बताया कि किसी भी शिशु के जन्म या व्यक्ति की मृत्यु की सूचना 21 दिन के भीतर नगर निगम में देनी अनिवार्य होती है। उसके पश्चात प्राप्त सूचना को कई तरह की आवश्यक जांच से गुजरना होता है तथा उसके लिए शपथ पत्र आदि अनिवार्य हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय से बच्चे के जन्म या मृत्यु की सूचना निगम को मिल जाती है तो सम्बंधित व्यक्ति को परेशान नहीं होना पड़ता और उसे प्रमाण पत्र समय से प्राप्त हो जाता है।

उन्होंने बताया कि एक व्ट्स ऐप ग्रुप बनाकर सभी ऐसे हॉस्पिटल व नर्सिंग होम को नगर निगम से जोड़ा जायेगा ताकि सूचनाओं का समय से आदान-प्रदान किया जा सके। अनेक नर्सिंग होम के प्रतिनिधियों की शंकाओं का अपर नगरायुक्त ने जवाब देकर समाधान किया। मुख्य सफाई निरीक्षक इंद्रपाल व सफाई निरीक्षक अमित तोमर व अमर ज्योति ने भी अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र आजम ने किया।

फास्ट ट्रैक

धूमधाम से मनाया गया रोटरी क्लब सेंट्रल का 31वां अधिष्ठपन समारोह

भारत संवाद

सहारनपुर। रोटरी क्लब सेंट्रल का 31वां अधिष्ठपन समारोह होटल रॉयल रेजीडेंसी में संपन्न हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि निर्वाचित गवर्नर डॉक्टर रीता कालरा तथा पूर्व मंडलीय गवर्नर राजपाल सिंह और सहायक गवर्नर सिकंदर वीर सिंह बत्रा रहे।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात क्लब के पूर्व सचिव देवेंद्र वाधवा द्वारा गत वर्ष के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। देवेंद्र वधवा द्वारा बताया गया कि गत वर्ष 24- 25 में क्लब द्वारा विभिन्न चैरिटी कार्य किए गए. जिनमें प्याऊ की स्थापना कावड़ सेवा भागवत यात्रा वृक्षारोपण, मरीजो को मुफ्त सहायता और इलाज कन्याओं का विवाह आदि प्रमुख रहे। इसी के साथ क्लब द्वारा गत वर्ष एक ऐतिहासिक मंडलीय सभा का भी विशाल आयोजन किया गया। पूर्व अध्यक्ष परमिल चैधरी ने अपने कार्य की सफलता का श्रेय अपने सभी सदस्यों को दिया जिन्होंने अनथक प्रयास किया। तत्पश्चात मंडलीय अध्यक्ष निर्वाचित रीता कालरा ने कहा कि सेंट्रल क्लब एक जाना माना क्लब है जिसका मंडल में एक अपना विशिष्ट स्थान है। इस क्लब के सभी महिला पुरुष सदस्य निरंतर सेवा कार्य में लगे हैं ।पूर्व मंडलीय अध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा कि मानव सेवा ही रोटरी का धर्म है पूरे विश्व में आज 202 देशों में रोटरी अपने सेवा कार्यों के लिए जाना जाता है ।सहायक गवर्नर सिकंदर वीर बत्रा ने क्लब के कार्यों में हर प्रकार का अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। क्लब के सुनील भगत विजय भसीन ने क्लब के इतिहास पर प्रकाश डाला ।तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ गिरीश डांग तथा नवनिर्वाचित सचिव रमणीक सिंह सचदेवा और नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष सुमित अरोड़ा को पदभार ग्रहण करवाया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरीश ने अपनी वर्ष 25 -26 की कार्यकारिणी से सभी का परिचय करवाया. इस अवसर पर रमणीक सचदेवा ने कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने का आह्वान किया ।क्लब की अंजलि भसीन, डोना बत्रा अर्शी सचदेव और मेघा चड्ढा ने आए हुए सभी विशिष्ट अतिथियों का जीवन परिचय सभा में प्रस्तुत किया। पूर्व अध्यक्ष राजेश कपूर ने कहा कि रोटरी फाउंडेशन रोटरी की नींव है और इसमें निरंतर योगदान सेंट्रल क्लब के सदस्यों द्वारा दिया जा रहा है। तत्पश्चात पूजा कपूर विजय खुराना विनय दाहूजा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये। कार्यक्रम में विभिन्न क्लबो से भी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रजत अरोड़ा पुष्कर राज कपूर राजीव चचरा आलोक अरोड़ा अशोक खुराना ममता चचरा विजय बत्रा डॉ शोभित माथुर डॉ बरखा माथुर अनिल मदान डॉक्टर सत्प्रकाश सैनी बलजीत सिंह चावला दक्ष चढ़ा गौरव बजाज पवन बठला विशु बाथला डॉ अमित चैहान नितिन बत्रा प्रियंका बत्रा विकास निझावन डॉक्टर सुजाता डांग शेफाली निझावन डॉक्टर मेघराज सैनी हरबीर कौर संजय खुराना अशोक खुराना आदि सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. संचालन पूर्व अध्यक्ष राजेश कपूर एडवोकेट द्वारा किया गया।

भारतीय किसान यूनियन (भानु) का जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना - प्रदर्शन

विद्यालय की मान्यता रद्द कराने को सौपा ज्ञापन 15 दिन में कमेटी गठित कर कार्यवाही का मिला आश्वासन

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम सौंपा ज्ञापन

राम गोपाल शर्मा संवाददाता/भारत संवाद

अलीगढ़। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर के नेतृत्व मे सैकड़ों पदाधिकारी सुबह 11 बजें विद्यालय निरीक्षक कार्यालय अलीगढ़ पर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए कृष्णा ठाकुर ने बताया कि राष्ट्रीय कन्या इंटर कॉलेज खैर प्रबंधन ने उमा नामक अध्यापिका को कथित तौर पर रख रखा है जो इंटर पास है वह छात्राओं को प्रबंधक से संबंध बनाने के लिए अनैतिक रूप से प्रलोभन देकर दबाब बनाती है जिससे आहत हो कर 17 जुलाई को विद्यालय की एक छात्रा ने जहर खा लिया छात्रा के परिजन उसको उपचार के लिए दिल्ली के एम्स मे ले गये एक हफ्ते बाद छात्रा की स्थिति मे सुधार हुआ, जिला अध्यक्ष संजय चौहान ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को बढ़ावा दे रही है लेकिन खैर के विद्यालय मे छात्राओं के साथ ऐसी घटनाएं शिक्षा पर धब्बा है जिला विद्यालय निरीक्षक ने जांच कमेटी बना कर 15 दिनों मे विद्यालय की मान्यता समाप्त करने का आश्वासन दिया है , जिला महासचिव सुरेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि एक तरफ सरकार बेटी पढ़ाओ - बेटी बढ़ाओ का नारा दे रही है दूसरी तरफ शिक्षा के मन्दिर इस तरह की घटनाएं शर्मशार करने वाली है , कार्यालय पर 3 घंटे तक धरना - प्रदर्शन चला युवा जिलाध्यक्ष कृष्णा ठाकुर ने माननीय मुख्यमंत्री एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को सम्बोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा । इस दौरान, प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास चौहान, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित ठाकुर, प्रदेश महामंत्री गोविल जादौन , युवा जिला अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ रोहित सिंह, टी .पी सिंह, जिला उपाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ पवन दक्ष, संदीप सिंह, डॉ. बलजीत चौधरी, कुलदीप शर्मा, शैलेश गौतम, जतिन गुप्ता, संस्कार वार्ष्णेय, रविन्द्र शर्मा, विजय सिंह, राजेश, छोटेलाल कौशल किशोर, अजय पाल, राजकुमार सिंह, देवू ठाकुर, लता अग्रवाल, देवेन्द्री चौधरी, मंजूलता, मंजूरानी, भारती गौतम, प्रवीन शर्मा, देवेन्द्र कुमार, सुमित हरि द्विवेदी, आशू चौहान, यशदीप राघव , हिमांशु पंडित, सूरज चौधरी, शालू गौतम , राहुल शर्मा, रुपेन्द्र कुमार , संजय बघेल, योगेश कुमार, राजा राम, अकुर तोमर, सतपाल सुमन, कृष्णा चौहान, पवन आदि मौजूद रहे ।

उ प्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने जीएसटी सर्वे का किया विरोध- दिया ज्ञापन

डोली शर्मा संवाददाता/भारत संवाद

अलीगढ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय महामंत्री एवं महानगर अध्यक्ष सतीश महेश्वरी के नेतृत्व में वरिष्ठ पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल जीएसटी के राज्य एडिशनल कमिश्नर ग्रेड 1 सुभाष चंद्र से मिला, व अस्तित्वहीन फर्मों के वेरिफिकेशन के लिए हो रहे सर्वे का विरोध कर ज्ञापन दिया ।कहा कि वर्षों से कार्यरत प्रतिष्ठानों की अब जांच करने का कोई मतलब नहीं निकलता ।पूरे देश में जीएसटी लागू है परन्तु सबसे ज्यादा सख्ती उत्तर प्रदेश में है ।संजय वार्ष्णेय ने कहा अधिकारियों को व्यापारियों से शालीन व्यवहार करने को निर्देशित करने को कहा ।किशन गुप्ता ने कहा कि एक व्यापारी का बार बार सर्वे करने की प्रवृति पर अविलंब रोक लगाई जाय ।साथ ही आक्रोश व्यक्त किया कि इस सब से व्यापारियों में विश्वास की कमी उत्पन्न होती है ।व्यक्तियों के आक्रोश को सुनने के बाद ग्रेड 1 सुभाष चंद एवं ग्रेड 2 ए के आर त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से समस्याओं का समाधान का उत्तर देते हुए कहा कि अस्तित्वहीन सर्वे की जांच का आदेश राज्य आयुक्त की ओर से जारी किया गया है ।जिसमें शत प्रतिशत जांच करने के आदेश हैं ।एडिशनल कमिश्नर ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि मौके पर अधिकारी को कोई भी डॉक्यूमेंट दिखाने या देने की कोई आवश्यकता नहीं है केवल अधिकारी को फर्म का बोर्ड देखकर एक फॉर्म भरना है कि फर्म कार्य कर रही है ।फील्ड अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि शालीनता से व्यवहार रखे, एवं आश्वस्त किया कि कोई भी उत्पीड़न नहीं होगा ।फिर भी कोई परेशानी हो तुरन्त संज्ञान में लाएं ।मंडलीय कमिश्नर के समक्ष उठाए, आई टी सी एवं एस आई बी आई सर्वे के बिंदुओं पर वार्ता हुई और व्यापारी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश एवं जीएसटी विभाग के आदेश दिखाए ।अधिकारियों ने सहमत होकर बहुत ही सकारात्मक उत्तर दे कर व्यापारियों को संतुष्ट किया ।इस अवसर पर घनश्याम दास जैन महामंत्री, हनुमंतराम गांधी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विवेक शर्मा युवा अध्यक्ष, मनीष मोहता युवा महामंत्री, संयोग मित्तल संगठन मंत्री, करण मित्तल वरिष्ठ मंत्री, अश्वनी वार्ष्णेय, आशीष गोयल, अनुपम वार्ष्णेय, अरविंद कुमार, मोहित राठी, गंगा राम यादव, साजिद अहमद, इत्यादि व्यापारी मौजूद रहे।

हिन्दू जागरण मंच की बैठक सम्पन्न

सहारनपुर। हिंदू जागरण मंच कोर कमेटी सहारनपुर की एक बैठक मालेगांव ब्लास्ट केस मे साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित आदि सभी बारह लोगों के निर्दोष साबित होने व भगवा आतंकवाद की थ्योरी झूठी साबित होने पर उत्पन्न स्थिति पर विचार हेतु शास्त्री नगर कार्यालय पर सम्पन्न हुई।

इस अवसर हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उ.प्र. प्रांत अध्यक्ष ठाकुर सूर्यकांत सिंह ने कहा 31 जुलाई को छप्-कोर्ट द्वारा तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दबाव में साधु संतों व सेना के अधिकारियों को जिस प्रकार से झूठा फंसाकर भगवा आतंकवाद की झूठी थ्योरी गढ़ने, हिंदुत्व व भारतीय सेना को बदनाम करने की साजिश की गई न्यायालय ने उसका पदार्फाश कर दिया है वह संतोष का विषय है। उन्होंने दारूल उलूम देवबंद के मौलाना अरशद मदनी की भी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मालेगांव ब्लास्ट के निर्णय पर उन्होंने जो प्रतिक्रिया दी है वह अवांछित है तथा उनकी हिंदू विरोधी मानसिकता का परिचायक है क्योंकि बरी होने वाले सभी हिंदू है।

अलौकिक शक्तिपुंज का धाम है कैलास मानसरोवर :- स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ !कैलाश मानसरोवर यात्रा को अत्यधिक दुरूह और कठिन माना जाता है, और यह शिव की कृपा और भक्ति से ही संभव हो पाती है। यह यात्रा न केवल शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहाँ भक्त भगवान शिव के निवास स्थान के दर्शन कर स्वयं को धन्य समझते हैं। हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत को भगवान शिव और मां पार्वती का निवास स्थान माना जाता है, और मानसरोवर झील को क्षीरसागर कहा गया है। बद्रीनाथ से स्वामी अदृश्यानन्द जी महाराज एवं अलीगढ से स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज व गौरव शास्त्री जी के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 45 लोगों को इस यात्रा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जो कि आज दो अगस्त शनिवार को प्रातः 09 बजे सिद्धपीठ श्री खेरेश्वर धाम मंदिर से पूजा पाठ अभिषेक कर प्रस्थान करेंगे उक्त जानकारी वैदिक ज्योतिष संस्थान के सचिव गौरव शास्त्री ने दी ।स्वामी अदृश्यानन्दजी महाराज ने बताया कि इस यात्रा को मोक्ष और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, और यह मान्यता है कि यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं के जन्म-जन्मांतर के किये हुए पाप नष्ट हो सीधा शिव धाम को प्राप्त होता है ।हिंदू धर्म के अलावा, यह यात्रा बौद्ध, जैन और बॉन धर्मों के अनुयायियों के लिए भी विशेष महत्व रखती है, जो यहाँ के रहस्यों और आध्यात्मिक ऊर्जा से आकर्षित होते हैं। स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज ने बताया कि मान्यता है कि यह पर्वत स्वयंभू है। कैलाश-मानसरोवर उतना ही प्राचीन है, जितनी प्राचीन सनातन सृष्टि है ।इस अलौकिक जगह पर प्रकाश तरंगों और ध्वनि तरंगों का समागम होता है, जो ह्यॐह्ल की प्रतिध्वनि करता है। इस पावन स्थल को भारतीय दर्शन के हृदय की उपमा दी जाती है, जिसमें भारतीय सभ्यता की झलक प्रतिबिंबित होती है। कैलाश पर्वत की तलछटी में कल्पवृक्ष लगा हुआ है। कैलाश पर्वत के दक्षिण भाग को नीलम, पूर्व भाग को क्रिस्टल, पश्चिम को रूबी और उत्तर को स्वर्ण रूप में माना जाता है ।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह जगह कुबेर की नगरी है। यहीं से ब्रह्मा जी के करकमलों से निकलकर गंगा कैलाश पर्वत की चोटी पर गिरती है, जहाँ प्रभु शिव उन्हें अपनी जटाओं में धारण कर पृथ्वी पर निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित करते हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा 6 साल के लंबे अंतराल के बाद इस साल (2025) जून में पुनः शुरू हुई है, क्योंकि चीन ने यात्रा को मंजूरी दे दी है। यह क्षेत्र चीन के कब्जे वाले तिब्बत में पड़ता है, इसलिए इस यात्रा के लिए चीन सरकार की मंजूरी और वीजा अनिवार्य है।

चिकित्सक ने स्तनपान के फायदे बताये

भारत संवाद

सहारनपुर। चिकित्सक डॉ. नैना मिगलानी ने बताया की 01 अगस्त से लेकर 7 अगस्त तक वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक मनाया जाता है जिसमे स्तनपान के फायदे के बारे मे बताकर जागरूक किया जाता है। डॉ. नैना मिगलानी ने बताया की शिशु के लिए माँ का दूध अमृत के समान होता है। माँ के दूध से शिशु को पोषण के साथ-2 रोगों से लडने की क्षमता भी मिलती है। स्तनपान शिशु ही नही माँ के लिए भी लाभदायक होता है। सभी शिशु को शुरू के छह महीन केवल स्तनपान करवाना चाहिए। शुरूआत में जो दूध आता है। वह पीले रंग का होता है। उसे कोलोस्ट्रम (पीला द्रव) कहते है। उसमें विटामिन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

निर्दयी मां ने दूधमुही बच्ची को विषाक्त देकर मार डाला

आकाश शर्मा, भारत संवाद

अलीगढ़:थाना जवां क्षेत्र के गांव भोजपुर गढ़िया में एक निर्दयी क्रूर मां ने 22 दिन की दूधमुंही बच्ची को विषाक्त देकर मार डाला। मामले की रिपोर्ट बच्ची के पिता ने आरोपित पत्नी के खिलाफ थाना में दर्ज कराई है, पुलिस ने महिला को जेल भेज दिया है। भोजपुर गढ़िया निवासी यवनेश नायक जवां कस्बे में नायक जन सेवा केंद्र के नाम से दुकान करता है उसकी शादी 12 अप्रैल 2019 को नगीना देवी पुत्री सुरेश निवासी मंदिर का नगला खुशीपुरा थाना दादो के साथ हुई थी। यवनेश के पहले दो लड़कियां मुदिता नायक व कौशिकी नायक प हैं, 8 जुलाई को उसके तीसरी लड़की यशिका सीएचसी जवां में पैदा हुई परिवार वाले बड़े खुश थे लेकिन अवनीश की पत्नी नगीना देवी इससे खुश नहीं थी। 30 जुलाई को दोपहर बारह बजे से दो बजे के बीच परिवार के सब लोग बाहर गए थे कि उसकी पत्नी नगीना ने दूध मुही बेटी यशिका नायक को मूसाका गुल मंजन देकर मार दिया। मामले की जानकारी होने पर यवनेश के छोटे भाई की पत्नी ने उसे बताया कि उसकी पुत्री नीली व ठंडी पड़ गई है जिसे लेकर वह डाक्टर के यहां पहुंचे जिसने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। बच्ची का अंतिम संस्कार करने के बाद शुक्रवार को नगीना देवी ने अपने पति को बताया कि उसने पुत्री यशिका को मूसाका गुल मंजन देकर मार दिया है, जिसकी सूचना उसने 112 नंबर पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपित नगीना देवी को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। मामले की रिपोर्ट यवनेश कुमार ने पत्नी के खिलाफ थाना में दर्ज कराई है। जब इस विषय में थानाध्यक्ष हेमंत मावी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पति की तहरीर पर पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है एवं उसे जेल भेज दिया है पोस्टमार्टम के लिए जिलाधिकारी को लिखा गया है मंजूर होने पर शनिवार को बच्ची के शव को जमीन से निकाल कर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

राज्य सूचना आयुक्त उ0प्र0 लखनऊ की अध्यक्षता में आर.टी.आई. के अन्तर्गत लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में सभी विभागीय नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई आयोजित

सूचना आयुक्त महोदय द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने की समयसीमा, दण्ड विधान व गोपनीयता आदि के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,मा0 राज्य सूचना आयुक्त, उ0प्र0 लखनऊ श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के तहत जनपद सुलतानपुर में लंबित शिकायतों/ अपीलों के सम्बन्ध में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों/जन सूचना अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अन्तर्गत लम्बित वादों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु विस्तृत चर्चा की गयी। मा0 राज्य सूचना आयुक्त महोदय का मुख्य राजस्व अधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उक्त बैठक का संचालन श्री शैलेन्द्र चौहान द्वारा मा0 राज्य सूचना आयुक्त महोदय के परिचय से प्रारम्भ किया गया। उन्होंने मा0 राज्य सूचना आयुक्त महोदय का परिचय देते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जन सूचना अधिकार अधिनियम के महत्व एवं विभिन्न धाराओं के तहत की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों जैसे- ग्राम विकास विभाग के लंबित-20 प्रकरण, पंचायती राज विभाग के 11, गृह विभाग के 06, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 05, बेसिक शिक्षा विभाग के 06 जैसे प्रकरणों के सम्बन्ध में सभी संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु अवगत कराया गया है। मा0 राज्य सूचना आयुक्त महोदय द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों/जन सूचना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के तहत आम नागरिकों द्वारा चाही गयी सूचना को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध करायें। उन्होंने आर.टी.आई. अधिनियम के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए गंगीरी में 6 से 12 अगस्त तक आयोजित होगा आकांक्षा हाट

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य ने अवगत कराया है कि आकांक्षात्मक विकासखंड गंगीरी में 6 अगस्त से 12 अगस्त तक आकांक्षा हाट का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम केंद्र सरकार की वोकल फॉर लोकल पहल को मूर्त रूप देने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा ।उन्होंने बताया कि सात दिवसीय इस हाट में गंगीरी क्षेत्र के स्थानीय कारीगरों एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, परंपरागत उत्पादों एवं विशेष वस्तुओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इन उत्पादों की पहचान कर उनका मैपिंग एवं आकांक्षा लेवल टैगिंग की जाएगी, जिससे उन्हें बाजार में एक विशिष्ट पहचान मिल सके। डीडीओ श्री आर्य ने बताया कि स्थानीय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए केंद्र व राज्य की विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों से इन उत्पादों को जोड़ा जाएगा। इससे शिल्पियों एवं स्थानीय उद्यमियों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सकेगा। हाट में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), कृषि, उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आयुष (आयुर्वेद व यूनानी), उद्यान एवं बैंकिंग सेवाओं से जुड़े विभागों द्वारा भी स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे आमजन को लाभान्वित किया जा सके।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

क्या सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है व्हाइट सॉस पास्ता? क्या कहता है आयुर्वेद

आजकल खान-पान में कई बदलाव होने लगे हैं। इंडियन कुजीन के साथ और भी कई तरह की कुजीन हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। पिज्जा, पास्ता और मोमो समेत कई चीजें आजकल लोगों को और खासकर बच्चों को बेहद पसंद आ रही हैं। व्हाइट सॉस पास्ता भी आजकल लोगों की फेवरेट डिश में से एक बन चुका है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की जिंदगी में शौक से खाते तो हैं लेकिन असल में ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

आयुर्वेद में खान-पान के तरीके और समय पर काफी जोर दिया जाता है। आज के समय में खान-पान की जिन चीजों का चलन बढ़ गया है, उनमें से कई ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें आयुर्वेद में सेहत के लिए नुकसानदेह बताया गया है। व्हाइट सॉस पास्ता इन्हीं में से एक है। यह क्यों आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और किस तरह आप इसे हेल्दी तरीके से खा सकती हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल लोग जब भी बाहर जाते हैं, तो अक्सर व्हाइट सॉस पास्त ऑर्डर करते हैं। घरों में भी इसे बनाने का चलन बढ़ गया है। लेकिन, आयुर्वेद के अनुसार, यह एक धीमा जहर है, जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है।

- आयुर्वेद का कहना है कि शरीर में टॉक्सिन्स जमा होना और स्किन से जुड़े डिसऑर्डर के पीछे सबसे बड़ी वजह विरुध्द आहार होता है। विरुध्द आहार यानी खाने की दो ऐसी चीजों को एक साथ मिलाकर खाना, जो प्रकृति में एक-दूसरे के विपरीत हैं और सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।
- जब आप व्हाइट सॉस बनाते हैं, तो इसमें दूध के साथ नमक मिलाते हैं, ये दोनों चीजें एक साथ लेना आयुर्वेद में सही नहीं बताया गया है।
- अगर आप लंबे समय तक इस कॉम्बिनेशन को खाते हैं, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं और अर्थराइटिस भी हो सकती है।
- अगर आप इसे खाना चाहते हैं, तो व्हाइट सॉस बनाते समय रेगुलर मिल्क की जगह प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे ओट मिल्क, कोकोनेट मिल्क और सोय मिल्क का इस्तेमाल करें। इससे सेहत को नुकसान नहीं होगा।

योगासन करने से पहले और बाद में इन बातों का रखें खास ख्याल, फिट रहने में मिलेगी मदद

योगासन करने से पहले और बाद में कुछ बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे फिट रहने में मदद मिल सकती है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि फिट रहने के लिए योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन का महत्व सिर्फ भारत ही नहीं, पूरे दुनिया समझ रही है। योगासन हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है। योगासन करने के अनेक फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं योग करने से पहले और बाद में कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। रोजाना योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, यह हमें योग और स्पिचुरल लीडर हिमालयन सिद्धा अक्षर ने बताया है। हिमालयन सिद्धा अक्षर, अक्शर योग केंद्र के फाउंडर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले और बाद में वार्म अप, कूल डाउन और न्यूट्रिशन जैसी चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले ठीक तरह से वार्म अप करना जरूरी माना जाता है। इस दौरान हल्के मूवमेंट करने चाहिए, जिससे ब्लड फ्लो और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है।

लाइट कार्डियो

योगासन करने से पहले 5-10 मिनट सैर करना, जगह पर ही खड़े रहकर जॉगिंग और जंपिग जैक्स करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह हार्ट रेट को बढ़ाते हैं।

ज्वाइंट मूवमेंट

योगासन से पहले अपने हाथ, पैर, गर्दन और कंधों के ज्वाइंट्स को मूव करने की सलाह दी जाती है।

कैट-काउ स्ट्रेच

एक्सपर्ट के मुताबिक, पीठ की मूवमेंट के लिए पहले आर्च और राउंड बनाने की सलाह दी जाती है।

सूर्य नमस्कार

पूरे शरीर के वार्म अप के लिए पहले सूर्य नमस्कार के 2-3 राउंड करना फायदेमंद हो सकता है। सूर्य नमस्कार के अनेक फायदे होते हैं।

योगासन करने से पहले क्या खाना चाहिए?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले पोषण से भरपूर भोजन की सलाह दी जाती है, जिससे एनर्जी लेवल बना रहे और किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। योगासन से 2-3 घंटे पहले लाइट डाइट या 30 से 60 मिनट पहले कम मात्रा में स्नेक्स लेने चाहिए। रोजाना योगाभ्यास करने वालों को पूरे दिन हाइड्रेट रहने की सलाह दी जाती है। लेकिन योगासन करने से तुरंत पहले ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद क्या खाना है फायदेमंद?

- योगासन से पहले मुट्ठीभर नट्स और एक केला खाना फायदेमंद हो सकता है।
- एल्मन्ड बटर के साथ सेब को काटकर भी खाया जा सकता है।
- बेरिज के साथ ग्रीक योगर्ट का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।
- योगासन करने के 30-60 मिनट में खाना खा लेना चाहिए, इससे शरीर को रिकवर करने में आसानी होती है।
- योगासन के बाद शरीर को हाइड्रेट करना जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान खूब सारे फ्लूयड्स शरीर से निकल जाते हैं। योगासन के बाद नारियल पानी का सेवन करना फायदेमंद माना गया है।
- योगासन करने के बाद प्रोटीन पाउडर, फल और पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी का सेवन कर सकते हैं। नट्स के साथ ओटमील, सीड्स और फ्रेश फ्रूट्स का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

योगासन से पहले क्या ना खाएं?

योगासन से पहले भारी और ज्यादा तला-भुना खाने से बचना चाहिए। योगासन से पहले मसालेदार खाने का सेवन नहीं करने की सलाह दी गई है। भारी मात्रा में भी कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद किन बातों का रखें ध्यान?

योगासन के बाद कूल डाउन होने की जरूरत होती है, इससे फिट रहने में मदद मिलती है।

शवासन

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन के बाद 5 से 10 मिनट शवासन करना चाहिए, इससे आपके शरीर को आराम तो मिलेगा।

आसान स्ट्रेचिंग

योगासन करने के बाद शरीर के जिन जगहों पर दर्द का अहसास हो रहा है, उसके लिए 30 से 60 सेकेंड स्ट्रेच करें।

डीप ब्रीथिंग

योगासन करने के बाद धीरे और डीप ब्रीथिंग करने की सलाह दी जाती है, इससे नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है।

मेडिटेशन

योगासन के बाद थोड़ी देर का मेडिटेशन भी आपके दिमाग और शरीर को रिलेक्स करने में मदद कर सकता है। मेडिटेशन के अनेक फायदे होते हैं।

सीने में जमा बलगम निकाल देगा घर पर बना यह टॉनिक

आपने अक्सर घर के बड़े-बुजुर्गों में सर्दी-खांसी, जुकाम, हल्के बुखार, बदन दर्द या पेट दर्द जैसी चीजों को ठीक करने के लिए देसी नुस्खे आजमाते देखा होगा। असल में हमारे किचन में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं, जिनके गुणों और इस्तेमाल करने के सही तरीके के बारे में अगर हमें जानकारी हो तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। लेकिन, इनके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लेना भी जरूरी है।

सीने में जमे कफ को बाहर निकालने में भी कई देसी नुस्खे कारगर हैं। अगर आपके सीने में कफ जमा हुआ है, इसकी वजह से आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, खांसी बहुत है, तो घर पर इस आयुर्वेदिक टॉनिक को बनाएं। आपको आराम मिलेगा। इसे घर में मौजूद औषधीय गुणों से भरपूर कई चीजों की मदद से बनाया जाता है।

सीने में जमे बलगम को निकाल देगा यह देसी टॉनिक

- अजवाइन में मौजूद थाइमोल होता है। यह एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इससे सर्दी-जुकाम में आराम मिलता है।
- अजवाइन में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, शरीर को अंदर से मजबूती देती है और इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है।
- इससे सीने की जकड़न दूर होती है और सीने में जमा कफ बाहर निकलने में मदद मिलती है।
- गुड़ एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इसकी तासीर गर्म होती है।
- सौंठ यानी अदरक पाउडर के साथ इसे लेने से गले की खराश और दर्द दूर होता है।
- गुड़, काली मिर्च, इलायची और सौंठ का यह काढ़ा, मौसमी सर्दी-जुकाम से बचाता है और कफ को भी कम करता है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह सर्दी-जुकाम और खांसी को कम करती है।

सर्दी-खांसी और कफ के लिए बनाएं यह टॉनिक

सामग्री

- पानी- 1 कप
- गुड़- 1 टेबलस्पून
- हरी इलायची- आधा टीस्पून
- अजवाइन- 1 टीस्पून
- काली मिर्च- आधा टीस्पून
- सौंठ- आधा टीस्पून
- तुलसी के बीज- 4-5
- लौंग- 2

विधि

- पानी को उबलने दें।
- अब इसमें गुड़ मिलाएं और इसे पिघलने दें।
- अब इसमें बाकी सारी चीजें मिला दें।
- इसे धीमी आंच पर पकाएं।
- इसे ठंडा होने पर एक कांच के डिब्बे में बंद करके रखे लें।
- इसे लगभग आधा चम्मच सुबह-शाम शहद या गुनगुने पानी के साथ लें।

हाई बीपी की है शिकायत तो नाश्ते में भूल से भी ना खाएं ये चार चीजें

अगर आपको हाई बीपी की शिकायत है तो ऐसे में आपको अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। ऐसे कई फूड्स हैं, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में खाने से बचना चाहिए।

नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसलिए इसका सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। यही कारण है कि आपको अपने नाश्ते का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन जब आप नाश्ता बनाते हैं तो आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर फोकस करना चाहिए। मसलन, अगर आपको हाई बीपी है तो आपको नाश्ते में कुछ फूड आइटम्स को अवॉयड करना चाहिए। आहार आपके बीपी पर बहुत प्रभाव डाल सकता है। अगर आप सोच-समझकर अपना नाश्ता नहीं बनाते हैं तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और आपको परेशान कर सकता है। हाइपरटेंशन समय के साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, आपको अपने खान-पान को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

हाई सोडियम सेरल्स

अधिकतर लोग नाश्ते में सेरल्स खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आपको बीपी की शिकायत है तो आपको नाश्ते में हाई सोडियम सेरल्स खाने से बचना चाहिए। आजकल मार्केट में रेडी-टू-ईट सेरल्स मिलते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त नमक या फ्लेवरिंग को मिक्स किया जाता है। सोडियम की अधिकता की वजह से इन सेरल्स का सेवन बीपी के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, अगर आपको सेरल्स खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में आप कम सोडियम या अनस्वीटन सेरल्स का चयन करें।

फाइड फूड्स

हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में डीप फाइड आइटम्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए। फाइड फूड्स में अनहेल्दी फैट्स कंटेंट काफी अधिक होता है, इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ता है। अधिक वजन ब्लड प्रेशर की शिकायत को बढ़ा सकता है।

व्हाइट ब्रेड और पेस्ट्री

हाई बीपी के मरीजों के लिए रिफांइड आटे से बनी आइटम्स जैसे व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री और अन्य बेक्ड सामान का सेवन करने से बचना चाहिए। इस तरह की फूड आइटम्स ब्लड शुगर लेवल में स्पाइक का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। जिससे भी आपके ब्लड प्रेशर की समस्या बद से बदतर हो सकती है।

हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स

नाश्ते में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना बेहद आम है। अमूमन लोग नाश्ते में दूध व दही आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आपको बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे फुल फैट मिल्क, फुल फैट चीज आदि से बचना चाहिए। इन तरह के प्रोडक्ट्स में सैचुरेटिड फैट अधिक पाया जाता है। इसलिए, इनके सेवन से ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है और ऐसे में आपको हाई बीपी की शिकायत हो सकती है। अगर आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह स्किम्ड मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए।

कमला हैरिस ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया

कहा- देश का पॉलिटिकल सिस्टम टूट गया, मैं इसे ठीक करने के काबिल नहीं

एजेंसी

पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने 'द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट' में इंटरव्यू में कहा कि वह अब किसी भी राजनीतिक पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी, जिसमें कैलिफोर्निया के गवर्नर का पद भी शामिल है। हैरिस ने कहा- अमेरिका का पॉलिटिकल सिस्टम टूट चुका है और मैं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने लिए मजबूत नहीं हूं। कैलिफोर्निया की गवर्नर रह चुकी हैरिस ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में जनता की सेवा की है। उन्होंने कहा- मैंने गवर्नर बनने के बारे में बहुत सोचा। मुझे अपने राज्य कैलिफोर्निया से प्यार है, लेकिन अब मुझे लगता है कि मेरी सिस्टम में बदलाव लाने की क्षमता घट गई है। टीवी होस्ट ने हैरिस से कहा कि आप जैसी इतनी काबिल शख्सियत का यह कहना कि सिस्टम टूट गया है, ये चिंताजनक है। हैरिस ने यह भी बताया

कि वह अब देशभर में घूमकर लोगों से बात करना चाहती हैं, लेकिन वोट मांगने के लिए नहीं, बल्कि उनकी बात सुनने के लिए। उनकी नई किताब '107 डेज' 23 सितंबर को रिलीज होने वाली है। जिसमें उन्होंने अपनी 107 दिन के राष्ट्रपति चुनाव कैंपेन के अनुभवों का जिक्र किया है। हैरिस से पूछा गया कि उन 107 दिनों में सबसे ज्यादा क्या हैरान करने वाला था, हैरिस ने कहा, हर रात मैं प्रार्थना करती थी कि मैंने आज अपने पूरे सामर्थ्य के साथ सबकुछ किया हो। कमला हैरिस को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ हार मिली थी। राष्ट्रपति चुनाव के इलेक्टोरल कॉलेज में ट्रम्प ने 312 वोटों के साथ जीत हासिल की थी, जबकि हैरिस को 226 वोट मिले थे। कमला ने अपने पॉलिटिकल करियर की शुरूआत 1990 में जिला अटॉर्नी के रूप में की। वे जिला अटॉर्नी से स्टेट अटॉर्नी और फिर सीनेट (अमेरिकी राज्यसभा) तक पहुंचीं। जिला अटॉर्नी बनने के सालभर बाद ही कमला अपनी अप्रोच को लेकर विवादों में घिरने लगीं। इन विवादों ने कमला की लोकप्रियता को बढ़ाया। 2004 में एक क्रिमिनल गैंग के मेंबर ने एक पुलिस वाले इसाक एसपिनोजा की गोली मारकर हत्या कर दी। लोगों की मांग थी कि हत्यारे को मौत की सजा मिले। हालांकि, कमला ने सरकारी वकील के तौर पर मौत की सजा की मांग ही नहीं की। इसे लेकर न सिर्फ पुलिसवालों बल्कि कैलिफोर्निया के सीनेटर तक ने उनका विरोध किया था। अटॉर्नी के तौर पर कमला ने मौत की सजा को कम करने के लिए काम किया। उनका मानना है कि न्यायिक व्यवस्था को सजा देने से ज्यादा फोकस अपराध रोकने पर करना चाहिए। उन्होंने छोटे अपराधों में बड़ी सजा को भी कम करवाया। कमला ने बैक ऑन ट्रैक प्रोग्राम शुरू कराया था। जिसके तहत छोटे अपराध करने वाले लोगों को स्कूल एजुकेशन और जॉब ट्रेनिंग दिलाई गई, ताकि वे अपराध छोड़कर साधारण जिंदगी जी सकें। कमला ने उन पेरेंट्स को सजा दिलाने पर भी फोकस किया जो अपने बच्चों को एजुकेशन के लिए स्कूल नहीं भेज रहे थे। इस अपराध को टूएंसी कहा जाता है। इसका सबसे ज्यादा असर ब्लैक पेरेंटेस पर पड़ा।

भारत पर ट्रम्प का 25% टैरिफ 7 दिन टला

90 देशों को भी राहत, लेकिन कनाडा पर 35% टैरिफ; लिस्ट में चीन नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25% टैरिफ को 7 दिन के लिए टाल दिया है। ये आज से लागू होना था, जो अब 7 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25% और पाकिस्तान पर 19% टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर आज से ही 35% टैरिफ लागू हो गया है। साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29% टैरिफ लगा रखा था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा

41% टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन 7 दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था। इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ 7 देशों से समझौता हो पाया। सीरिया, लाओस और म्यांमार जैसे गरीब देशों पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगा है। इन दोनों देशों पर अमेरिका ने 40-41% भारी टैरिफ लगाया है, जो सबसे ऊंची दर है। अमेरिका में सीरिया से बहुत कम व्यापार होता है, लेकिन फिर भी उस पर 41% हाई-टैरिफ लगाया गया है। सीरिया पर लंबी अवधि से लगे आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से ऐसा हुआ है। म्यांमार से अमेरिका को ज्यादातर कपड़े निर्यात किए जाते हैं, जबकि लाओस से मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भेजे जाते हैं। अमेरिका को लगता है कि चीन अपने सामान पर लगने वाले भारी टैरिफ से बचने के लिए इन देशों का इस्तेमाल कर रहा है। यानी, मेड इन चाइना सामान को लाओस या म्यांमार जैसे देशों से होकर भेजा जा रहा है ताकि टैरिफ बच सके। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में लाओस से अमेरिका का आयात दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया।

पाकिस्तान पर मेहरबान ट्रम्प, सिर्फ 19% टैरिफ लगाया

एक दिन पहले ऑयल डील का ऐलान किया; पहले कह चुके- आई लव पाकिस्तान

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाकिस्तान पर 19% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। साउथ एशिया के किसी भी देश पर यह सबसे कम अमेरिकी टैरिफ होगा। इससे पहले ट्रम्प ने अप्रैल में भारत पर 26% और पाकिस्तान पर 29% टैरिफ लगाने की बात कही थी। नए आदेश में ट्रम्प ने भारत को सिर्फ 1% और पाकिस्तान को 10% की रियायत दी है। ट्रम्प ने पाकिस्तान को 2 दिन में 2 राहत दी है। कल ही ट्रम्प ने पाकिस्तान के साथ ऑयल और ट्रेड डील का ऐलान किया था। इसमें अमेरिका, पाकिस्तान में तेल की खोज, प्रोसेसिंग और स्टोरेज बनाने में मदद करेगा। बीते कुछ महीनों में अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्ते में काफी नजदीकी आई है। पाकिस्तान ने जून में ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद ट्रम्प ने 'आई लव पाकिस्तान भी कहा था। पाकिस्तान पर ट्रम्प की मेहरबानी की आर्थिक, रणनीतिक और राजनीतिक वजहें शामिल हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति अमेरिका के लिए बेहद अहम है। इसकी सीमाएं अफगानिस्तान और ईरान से लगती हैं। दोनों अमेरिका की विदेश नीति में ये संवेदनशील देश हैं। अमेरिका अफगानिस्तान से निकलने

के बाद भी उस क्षेत्र में निगरानी रखना चाहता है। पाकिस्तान इस दृष्टि से एक लॉजिस्टिक बेस या मॉनिटरिंग पॉइंट की तरह काम कर सकता है। चीन की बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्टपाकिस्तान से होकर जाती है। इससे अमेरिका को लगता है कि वह पाकिस्तान में प्रभाव बनाए रखकर चीन को संतुलित कर सकता है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और भारत के संबंध गहरे हुए हैं, लेकिन दोनों के बीच कई व्यापारिक और रणनीतिक मतभेद भी हैं। जैसे भारत का रूस से हथियार खरीदना, कृषि और डेयरी में अमेरिकी एक्सेस का विरोध और डब्ल्यूटीओ पर टकराव। ऐसे में पाकिस्तान को तरजीह देकर अमेरिका एक संदेशदेना चाहता है कि अगर भारत बहुत कठोर रवैया अपनाएगा तो अमेरिका के पास विकल्प हैं। पाकिस्तान पर कम टैरिफ लगाना अमेरिका की चीन को साधने की रणनीति का हिस्सा भी माना जा सकता है। चीन ने चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के जरिए पाकिस्तान में भारी निवेश कर रखा है। यह बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का सबसे अहम हिस्सा है। अमेरिका को यह प्रोजेक्ट रणनीतिक तौर पर चुनौती लगती है, क्योंकि इससे चीन को अरब सागर तक सीधी पहुंच मिलती है।

अब अमेरिका अगर पाकिस्तान से कारोबारी रिश्ते मजबूत करता है, तो वह बीआरआई पर चीन की पकड़ को कमजोर कर सकता है या वहां अपनी मौजूदगी बनाए रख सकता है। इसे अलावा चीन का शिनजियांग इलाका पाकिस्तान से लगा है। अमेरिका पाकिस्तान में अपने संपर्क बढ़ाकर उस इलाके की गतिविधियों पर नजर रख सकता है।

न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में भारी बारिश से बाढ़, इमरजेंसी लागू

एक घंटे में 3 इंच बारिश, सड़कें-मेट्रो स्टेशनों में पानी भरा; 14 हजार लोग बिना बिजली के रहे

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिका के पूर्वी तट पर गुरुवार को तेज तूफान और भारी बारिश से बाढ़ आ गई। जिसके बाद न्यूयॉर्क शहर और न्यू जर्सी में इमरजेंसी घोषित कर दी गई। तूफान का असर न्यूयॉर्क से वॉशिंगटन डीसी तक दिखा। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ इलाकों में एक घंटे में 3 इंच (7.6 सेमी) तक बारिश हुई, जिससे नाले और नदियां उफान पर आ गईं। न्यूयॉर्क में मेट्रो स्टेशनों में पानी भर गया। स्टेशन में दीवारों से पानी

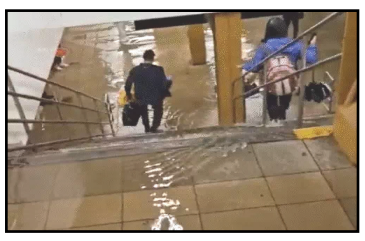

रिसता दिखा। भारी बारिश के कारण पटरियां पानी में डूब गईं जिससे कई ट्रेनें और यात्री फंस गए। रेस्क्यू टीम ने यात्रियों को बचाया। सड़कों पर पानी भरने से कई गाड़ियां डूब गईं, और एक्सप्रेसवे बंद करना पड़ा। वहीं न्यू जर्सी में 14 हजार से ज्यादा लोग 24 घंटे बिना बिजली के रहे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने शहर और आसपास के इलाकों में आपातकाल की घोषणा की है। शुक्रवार तक और बारिश की आशंका है। प्रशासन ने लोगों को यात्रा न करने और बाढ़ से बचने की सलाह दी है। तूफान के चलते न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, वाशिंगटन और फिलाडेल्फिया के हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द या देरी से चलीं। मैरीलैंड में बाल्टीमोर के पास पानी में फंसे लोगों को बचाया गया। मौसम विभाग ने वॉशिंगटन, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया और न्यूयॉर्क शहर के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया। ये अलर्ट शुक्रवार तक रहेगा। उत्तरी न्यू जर्सी से वर्जीनिया में 3 इंच प्रति घंटा बारिश की आशंका थी। कुछ जगहों पर 5 इंच से ज्यादा बारिश हो सकती थी। पेनसिल्वेनिया से न्यू इंग्लैंड तक 1.5 इंच प्रति घंटा बारिश का अनुमान था, जिससे पहाड़ी इलाकों में बाढ़ का खतरा था। वर्जीनिया से मैसाचुसेट्स तक बाढ़ की चेतावनी जारी की गई। 16 जुलाई को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बारिश से बाढ़ आई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी।

वह भाजपा विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं, राहुल गांधी पर हिमंत बिस्वा सरमा का निशाना

एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बर्बाद अर्थव्यवस्था वाले बयान से सहमति जताने पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तगड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 दिनों ने राहुल गांधी को बुरी तरह बेनकाब कर दिया है। लोग अब समझ गए हैं कि वह भाजपा विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं। उन्होंने दावा किया कि जब प्रधानमंत्री मोदी हर काम शालीनता से कर रहे हैं, विभिन्न देशों से बात कर रहे हैं, तो राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक डेड इकोनॉमी (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता डोनाल्ड ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे,

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पिछले 7 दिनों ने राहुल गांधी को बुरी तरह बेनकाब कर दिया है। लोग अब समझ गए हैं कि वह भाजपा विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं। उन्होंने दावा किया कि जब प्रधानमंत्री मोदी हर काम शालीनता से कर रहे हैं, विभिन्न देशों से बात कर रहे हैं, तो राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे हैं।

जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बर्बाद अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है।

आरोप- सांसदों को रोकने के लिए राज्यसभा में कमांडो बुलाए

रिजिजू बोले- विपक्ष के कुछ सदस्य आक्रामक हुए, उन्हें वेल में जाने से रोका गया

हमारी महिला सदस्यों को पुरुषों जवानों ने रोका। जिस तरह से सदन के बाहर से लोगों को बुलाया गया और सांसदों को जबरदस्ती वेल में जाने से रोका गया, यह आपत्तिजनक है। सब कुछ कैमरे में कैद है।

एजेंसी

नई दिल्ली , संसद के मानसून सत्र का शुक्रवार को 10वां दिन था। बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्यसभा में सदस्यों को रोकने के लिए कमांडो बुलाए गए। यह लोकतंत्र के इतिहास काला दिन है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, आज कमांडो तैनात किए गए। कोई कह रहा है कि यह है, कोई कुछ और

कह रहा है। उन जवानों ने सदस्यों को स्टाफ से मिलने से रोका। कांग्रेस के आपत्तिजनक, हम इसकी निंदा करते हैं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के उपसभापति को भेजे लेटर में लिखा, हम इस बात से हैरान हैं कि जिस तरह से उकरऋ कर्मियों को सदन के वेल में लाया गया, यह बेहद आपत्तिजनक है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो उकरऋ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। रिजिजू का जवाब- सांसद वेल के पास खड़े हो जाते हैं संसद सदस्यों की मांग थी कि सुरक्षा बढ़ाई जाए, इसलिए उकरऋ तैनात की गई। सदन के अंदर, सदस्य कभी-कभी सत्ता पक्ष की मेज के ऊपर और वेल के पास खड़े हो जाते हैं। उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए सुरक्षा तैनात की गई है। किसी भी सांसद को बोलने से नहीं रोका जाएगा। सदन के अंदर मार्शल और सुरक्षाकर्मी तब तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे जब तक सांसद कोई दुर्भावनापूर्ण कार्य नहीं करते। आज की जो घटना हुई है, मैंने राज्यसभा सचिवालय से जानकारी ली है। उनके मुताबिक कुछ सांसद आक्रामक हो गए थे उन्हें सिर्फ रोका गया था। टैरिफ पर पक्ष-विपक्ष कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा, उसे सबने देखा है।

कानपुर में जनसाधारण एक्सप्रेस की 2 बोगी पटरी से उतरी

झटका लगते ही चलती ट्रेन से यात्री कूदे; ट्रेन मुजफ्फरपुर से अहमदाबाद जा रही थी

आधिकारिक रूप से किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। झटके से ट्रेन के रुकते ही यात्री कूद गए मुजफ्फरपुर जंक्शन से अहमदाबाद के साबरमती बीजी जंक्शन जा रही जनसाधारण एक्सप्रेस के दो कोच भाऊपुर स्टेशन यार्ड के लूप लाइन लाइन नंबर 4 के पास बेपटरी हो गए।

एजेंसी

कानपुर , कानपुर में जनसाधारण एक्सप्रेस की 2 बोगी भाऊपुर (पनकी) में पटरी से उतर गई। ट्रेन मुजफ्फरपुर से अहमदाबाद जा रही थी। इंजन से 6वीं और 7वीं जनरल बोगी डिरेल हुई। अचानक ट्रेन को झटका लगने के बाद पीछे की बोगियां एक तरफ टेढ़ी होने लगीं। इसके बाद यात्री ट्रेन से कूदने लगे। चीख-पुकार मच गई। लोग एक-दूसरे की मदद करने के लिए दौड़ते हुए दिखे। महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे के बाद 9 ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया। लखनऊ से नई दिल्ली के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस को वापस लखनऊ भेजना पड़ा। अब इसे दूसरे रूट से मुरादाबाद, गाजियाबाद होते हुए दिल्ली भेजा जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही ऊफट समेत रेलवे के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। एक समिति का गठन किया गया है, जो हादसे की वजह पता करेगी। हादसे के समय ट्रेन की गति धीमी होने से कोई हताहत नहीं हुआ। तेज आवाज के साथ इंजन से 6वें और 7वें कोच के पहिए पटरी से उतरने लगे। इससे यात्रियों में हलचल मच गई।

बांग्लादेश के मैप में भारत के 7 राज्यों का हिस्सा

संसद में कांग्रेस बोली- सरकार क्या कर रही; जयशंकर ने कहा- प्रोपेगेंडा से निपटने को तैयार

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखित जवाब में कहा- हम इस मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है। सरकार इस तरह के प्रोपेगेंडा से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अब जानिए क्या है पूरा मामला विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, विवादित नक्शा 14 अप्रैल, 2025 को ढाका यूनिवर्सिटी में आयोजित एक प्रदर्शनी में लगाया गया था।

एजेंसी

नई दिल्ली , बांग्लादेश के विवादित मैप का मुद्दा संसद में भी उठा। भारत के 7 राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश के मैप में दिखाया गया है। इसको लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने गुरुवार को राज्यसभा में सवाल उठाया। सुरजेवाला ने कहा- सरकार इस मुद्दे पर क्या कर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखित जवाब में कहा- हम इस मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है। सरकार इस तरह के प्रोपेगेंडा से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

अब जानिए क्या है पूरा मामला विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, विवादित नक्शा 14 अप्रैल, 2025 को ढाका यूनिवर्सिटी में आयोजित एक प्रदर्शनी में लगाया गया था। आरोप है कि ढाका में मौजूद इस्लामिक ग्रुप 'सल्तनत-ए-बांग्ला' की तरफ से ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा तैयार किया गया है। 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को 'तुर्की यूथ फेडरेशन' नाम एक तुर्की का सपोर्ट है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के आने के बाद तुर्की-बांग्लादेश संबंध मजबूत हुए हैं। तुर्की के की एक्टीविटीज और मिलिट्री को ऑपरेशन में भी इजाफा हुआ है। सुरजेवाला ने राज्यसभा में मुद्दा उठाया, 2 सवालसरकार ने उन रिपोर्टों का संज्ञान लिया है जिनमें ढाका में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' नामक एक इस्लामी ग्रुप की तरफ से 'ग्रेटर बांग्लादेश' का एक नक्शा जारी किया है जिसमें भारत के कुछ हिस्से शामिल हैं। बांग्लादेश सरकार के फैक्ट चेकर प्लेटफॉर्म 'बांग्लाफैक्ट' ने दावा किया है कि बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' के संचालन का कोई सबूत नहीं है। बयान में आगे स्पष्ट किया गया है कि यह 'नक्शा' तथाकथित पुराने बंगाल सल्तनत के संदर्भ में एक ऐतिहासिक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया था। भारत सरकार उन सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं जिनका भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है और इसकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती रहती है।